INDEX

Sr. No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sign. of the Supervisor
1.			MICRO TEACHING LESSONS		
	1-1-21	1.	वायुमंडल के घटक	1-4	
	4-1-21	2.	हमारी पृथ्वी के अन्दर	5-8	
	6-1-21	3.	उद्योग	9-12	
	8-1-21	4.	खनिजो का उपयोग	13-16	
	11-1-21	5.	परिवहन	17-20	
2.			SIMULATED TEACHING LESSONS		
	13-1-21	1.	परिवहन तथा सचारतंत्र	21-26	
	15-1-21	2.	पर्यावरण प्रदूषण	27-32	
	18-1-21	3.	1857 का विद्रोह	33-38	
	21-1-21	4.	प्राकृतिक वनस्पति	39-44	
	23-1-21	5.	आदिमानव	45-50	
3.			DISCUSSION LESSONS		
	28-1-21	1.	शासक व इमारते	51-58	
4.			SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS		
	6-02-21	1.	हमारे राष्ट्रीय प्रतीक /पहचान	59-64 65-70	
	8-2-21	2.	मृदा	71-76	
	9-2-21	3.	पर्यावरण के घटक	77-82	
	10-2-21	4.	सरकार	83-88	
	11-2-21	5.	हमारा देश भारत	89-94	

Scanned with CamScanner

INDEX

Sr. No.	Date	Lesson No.	Topic	Pages	Sign. of the Supervisor
	12-2-21	6.	ग्राम पंचायत	95-100	
	13-2-21	7.	पर्यावरण प्रदूषण	101-112	
	15-2-21	8.	1857 का विद्रोह	113-118	
	16-2-21	9.	प्राकृतिक वनस्पति	119-122	
	17-2-21	10.	आदिमानव	122-125	
	18-2-21	11.	परिवहन	125-126	
	19-2-21	12.	इमारतें	126-130	

Scanned with CamScanner

MICRO TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

क्र. 1

Lesson No : 1

Date: 1-1-21 | Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Pragati | Pupil Teacher's Roll No: 861

Class: 6th | Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: वायुमण्डल के संघटक

प्रस्तावना कौशल ⇒

कौशल के मापदण्ड :-

(i) विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना।

(ii) पूर्वज्ञान की प्रत्यास्मरण करना।

(iii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(iv) विषय वस्तु को स्पष्ट करना।

(v) विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना।

प्रस्तुतीकरण ⇒

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
	छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे)।	
I	हमें जीवित रहने के लिए किस चीज की ज्यादा जरूरत होती है?	वायु, भोजन व जल की।	पूर्वज्ञान का प्रयोग
II	हमें साँस लेने के लिए किस गैस की ज्यादा आवश्यकता होती है।	ऑक्सीजन।	क्रम बहना

2.

III.	ऑक्सीजन गैस हमें कौन से मंडल से प्राप्त होती है?	वायुमण्डल से।	कथनों का मूल पाठ से सम्बंध।
IV.	वायुमंडल में और कौन-सी गैसें मिलती है?	कार्बनडाइऑक्साइड, हीलियम, ऑर्गन।	छात्रों का ध्यान आकर्षित करना
V	वायुमंडल में गैसों की संघटन कितनी है?	मौन।	

उपविष्य की घोषणा ⇒ "अच्छा, बच्चों आज हम वायु-मंडल के संघटनो की चर्चा करेंगे।"

निरीक्षण तालिका ⇒

	घटक	निर्धारण मापनी
I	पूर्व ज्ञान का प्रयोग	0 1 (2) 3 4 5 6
II	प्रश्नों में क्रम बद्धता	0 1 2 (3) 4 5 6
III	कथनों का मूल पाठ से सम्बंध	0 1 2 3 (4) 5 6
IV	छात्रों का ध्यान आकार्षित	0 1 2 (3) 4 5 6
V	प्रभाव पूर्ण प्रस्तुतीकरण	0 1 2 (3) 4 5 6
VI	प्रस्ताव की अवधि	0 1 2 3 (4) 5 6

Scanned with CamScanner

5

Lesson No : 1

Date: 4-1-21 | Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Pragati | Pupil Teacher's Roll No.: 861

Class: 7 th | Average Age of the pupils:

Subject: सामाजीक अध्ययन | Topic: हमारी पृथ्वी के अन्तर।

प्रश्न कौशल ⇒

कौशल के मापदण्ड :-

(i) उत्तरों को शुद्ध करके लिखना।
(ii) विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना।
(iii) उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना।
(iv) विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना।
(v) उचित भाषा का प्रयोग करना।
(vi) विद्यार्थियों में समालोचनात्मकता का विकास करना।

उप विषय की घोषणा :⇒ "अच्छा बच्चों आज हम 'हमारी पृथ्वी के अन्दर' क्या है। उसके विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण ⇒

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पुछेगी)	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)	सम्बद्धता
1. पृथ्वी का आकार कैसा होता है	पृथ्वी का आकार गोल है।	

Scanned with CamScanner

6.			
2	पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत को क्या कहते हैं?	पृथ्वी की ऊपरी परत पर्पटी कहलाती है।	स्पष्टता
3	पृथ्वी कैसे खनिजों से बनी है?	पृथ्वी सीलिका एवं एलुमिनीया खनिजों की है।	संक्षिप्तता
4	पर्पटी के ठीक नीचे क्या होता है?	पृथ्वी के ठीक नीचे मैंटल होता है।	विशिष्टता
5	मैंटल पृथ्वी के अन्दर कितने कि.लो. मीटर की गहराई तक फैला होता है?	मैंटल पृथ्वी के अन्दर एक किलो मीटर की गहराई तक फैला है।	सही व्याख्या का प्रयोग करना।
6.	पृथ्वी की आन्तरिक परत को क्या कहते हैं?		

Scanned with CamScanner

7.

निरीक्षण तालिका :-

	घटक	निर्धारण मापनी
1	सम्बंधता	1 2 3 4 5 6
2	स्पष्टता	1 2 3 4 5 6
3	संक्षिप्तता	1 2 3 4 5 6
4	सही व्याख्या का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
5	विशिष्टता	1 2 3 4 5 6
6	प्रश्नों का उत्तर	1 2 3 4 5 6
7	गति	1 2 3 4 5 6
8	आवाज़	1 2 3 4 5 6
9	विराम	1 2 3 4 5 6
10	वितरण	1 2 3 4 5 6

Scanned with CamScanner

1.

Lesson No : 3

Date 6-1-21 | Duration of the period
Pupil Teacher's Name Pragati | Pupil Teacher's Roll No 861
Class 8th | Average Age of the pupils
Subject सामाजिक अध्ययन | Topic 'उद्योग' ।

खोज पूर्ण प्रश्न कौशल ⇒

कौशल के मानदण्ड ⇒

उत्तरों को शुद्ध करना ।
i) विद्यार्थियों का अधिक से अधिक भाग लेना
ii) उचित समय में अधिक प्रश्न पूछना ।
iii) विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए
iv) प्रोत्साहित करना ।
उचित भाषा का प्रयोग करना ।
v) विद्यार्थियों में समालोचना का विकास
vii) करना ।

उपविषय की घोषणा :⇒ "अच्छा, बच्चों ! आज हम उद्योग के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे ।

Scanned with CamScanner

10.

प्रस्तुतीकरण :→

	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
	(छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नांकित प्रश्न पूछेगी)।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)।	
1	हमें उद्योगों में किनकी आवश्यकता होती है?	हमें उद्योगों में संसाधनों की आवश्यकता होती है।	
2	संसाधन कितने प्रकार के होते हैं?	संसाधन दो होते हैं:- i) जैविक संसाधन ii) अजैविक संसाधन	अधिक सूचना प्राप्ति।
3	संसाधनों को किसकी धुरी कहाँ जाता है?	संसाधनों को उद्योगों की धुरी कहाँ जाता है।	
4	उद्योग कितने प्रकार के होते हैं?	उद्योग दो प्रकार के होते हैं (i) कृषि उद्योग। ii) व्यापारिक उद्योग।	समीक्षात्मक जागरूकता में वृद्धि।
5	वे कौन-कौन से कारक हैं, जो उद्योगों को प्रभावित करते हैं?	मौन।	
6	समान प्रश्न अन्य छात्र से?	उद्योगों को जल, भूमि एवं श्रम प्रभावित करते हैं।	पुनः निर्देशन।

Scanned with CamScanner

7	यदि श्राम प्राप्त नहीं होगा तो क्या होगा?	यदि श्राम प्राप्त नहीं होगा तो उत्पादन नहीं होगा।	
8	भारत में कौन-कौन से औद्योगिक प्रदेश हैं?	भारत में मुंबई व कोलकाता औद्योगिक प्रदेश हैं।	अधिक सूचना प्राप्ति

निरीक्षण तालिका ⇒

	घटक	निर्धारण मापनी
1.	अनुबंधन	0 1 2 3 4 (5) 6
2.	अधिक सूचना प्राप्ति	0 1 2 3 4 (5) 6
3.	पुनः केन्द्रण	0 1 2 3 4 (5) 6
4.	पुनः निर्देशण	0 1 2 3 4 (5) 6
5.	समीक्षात्मक जागरूकता में वृद्धि	0 1 2 3 (4) 5 6

Scanned with CamScanner

13.

Lesson No : 4

Date: 8-1-21 | Duration of the period:
Pupil Teacher's Name: Pargati | Pupil Teacher's Roll No: 861
Class: 8th | Average Age of the pupils:
Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: 'खनिजों का उपयोग'

व्याख्या कौशल :⇒

कौशल के मानदण्ड :⇒

i) उपविषय से सम्बन्धित विद्या विद्यार्थी विचारों से विद्यार्थियों को अवगत करना।

ii) सरल, स्पष्ट व रोचक भाषा का प्रयोग।

iii) उपविषय के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालना।

iv) व्याख्या के समय सामान्य गति बनाए रखना।

v) उचित कथनों का प्रयोग करना।

उपविषय की घोषणा :⇒ "अच्छा बच्चो। आज हम 'खनिजो के उद्योग' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	घटक
छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोतर प्रश्न (पूछेगी)।	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
छात्राध्यापिका क्रिया (विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी)।	छात्र अनुक्रिया (ध्यान पूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे)।	घटक

14.

[अध्यापिका क्रिया]	[छात्र अनुक्रिया]	[घटक]
खनिजों का उपयोग :→ खनिजों का उपयोग कई चीजों में होता है। गहनों के लिए प्रयोग होने वाले बहुत से खनिज प्रायः कठोर होते हैं। आभूषण बनाने के लिए विभिन्न शैलियों में पाया जाता है। तांबा एक अन्य धातु है, जिसका उपयोग सिक्के से लेकर पाइप तक प्रत्येक वस्तु में किया जाता है।		उपयुक्त प्रारंभिक। कथनों में निरंतरता।
– कम्प्यूटर उद्योग में प्रयुक्त होने वाला सिलिकन क्वार्ट्ज से प्राप्त किया जाता है।		तकनीकी शब्दों का प्रयोग।
एलुमिनियम जिसे उसके अयस्क बॉक्साइट से प्राप्त किया जाता है। इसका प्रयोग ऑटोमोबाइल्स और हवाई – जहाज, बोतलबंदी उद्योग भवन निर्माण और रसोई के बर्तन तक में इनका प्रयोग किया जाता है। इसलिए यह बहुत उपयोगी है।		व्याख्या सेतु का उपयोग।
निष्कर्ष कथन :→		
खनिजों का उपयोग हमारे आधुनिक जीवन में बहुत प्रकार से होता है।		उपसंहारात्मक कथन

Scanned with CamScanner

15. रत्नों, आभूषणों और अन्य धातुओं को बनाने के में खनिजों का प्रयोग होता है। [घटक]

	पुनरावृत्ति : → (छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोत्तर प्रश्न पूछेगी)?	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)।	बोध परीक्षण
1.	खनिजों का उपयोग किन उद्योगों में किया जाता है?	खनिजों का उपयोग रत्नों, आभूषणों, भवन निर्माण व रसोई के बर्तन बनाने में किया जाता है।	
2.	रत्नों के लिए प्रयोग किए जाने वाले खनिज कैसे होते हैं?	रत्नों के लिए प्रयोग किए जाने वाले खनिज कैसे होते हैं? कठोर	
3	ताँबा क्या है, और इसका उपयोग किसमें किया जाता है?	ताँबा एक अन्य धातु है जिसका उपयोग सिक्के से लेकर पाइप तक प्रत्येक वस्तु में किया जाता है।	
4	ऐलुमिनियम किससे प्राप्त होते हैं?	ऐलुमिनियम अयस्क बॉक्साइट से प्राप्त होता है।	

16.

निरीक्षण तालिका :→

	घटक	निर्धारण मापनी
1	उपयुक्त प्रारंभिक कथनों का प्रयोग।	1 2 3 4 (5) 6
2	भोजन शब्दों का प्रयोग।	1 2 3 4 (5) 6
3	आवश्यक वस्तुओं पर ध्यान देना।	1 2 3 4 (5) 6
4	बोध परीक्षण।	1 2 3 4 5 (6)
5	तकनीकी शब्दों का अर्थ बताना।	1 2 3 4 (5) 6
6	धारा प्रवाहित।	1 2 3 4 (5) 6
7	उपयुक्त शब्दों का प्रयोग स्पष्ट असंदिग्धात्मक कथन।	1 2 3 4 (5) 6

Item

Scanned with CamScanner

17.

Lesson No : 5

Date: 18-1-21 | Duration of the period:
Pupil Teacher's Name: Pargati | Pupil Teacher's Roll No: 861
Class: 7th | Average Age of the pupils:
Subject: 'सामाजिक अध्ययन' | Topic: 'परिवहन'

उद्दीपन परिवर्तन कौशल :→

कौशल के मानदण्ड ⇒ विषय वस्तु की स्पष्टता।

(i) विद्यार्थियों में रुचि उत्पन्न करना।
(ii) विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना।
(iii) विद्यार्थियों की सहभागिता।
(iv) विद्यार्थियों में संकेन्द्रता का विकास करना।
(v)

उपविषय की घोषणा ⇒ "अच्छा, बच्चो! आज हम परिवहन के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण →

	छात्राध्यापिका क्रिया (छात्राध्यापिका छात्रों से निम्नोत्तर प्रश्न पूछेगी।)	छात्र अनुक्रिया छात्र पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देंगे।	घटक
1.	परिवहन किसे कहते हैं? (छात्रों के समीप जाकर)	किसी समान को एक स्थान से दूसरी स्थान पर ले जाने वाले साधनों को परिवहन कहते हैं।	संचलन
2.	परिवहन कितने प्रकार के होते हैं?	परिवहन चार प्रकार का होता है।	विराम
3.	परिवहन के चार साधनों के नाम बताओं?	i) सड़क मार्ग ii) रेल मार्ग iii) जलमार्ग iv) वायुमार्ग	
4.	छोटी दुरी को तय करने के लिए हम किस मार्ग को अपनाते हैं?	छोटी दुरी को तय करने के लिए सड़कमार्ग को अपनाते हैं।	विद्यार्थियों की सहभागिता
5.	सबसे मंहगा मार्ग कौन-सा होता है?	सबसे मंहगा मार्ग वायु मार्ग होता है।	वाक संघन परिवर्तन
6.	प्राचीन काल में मानव किन-किन परिवहन साधनों का प्रयोग करते थे?	प्राचीनकाल में मानव बैल गाड़ी, ऊँट आदि परिवहन साधनों का प्रयोग करते थे।	अत: क्रियाओं में परिवर्तन

Scanned with CamScanner

निरीक्षण तालिका :→

	घटक	निर्धारण मापनी
1.	संचलन	0 1 2 3 4 (5) 6
2.	हाव – भाव	0 1 2 3 4 (5) 6
3.	वाक – सड़क परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
4.	केन्द्रण	0 1 2 3 4 5 (6)
5.	अंतक्रिया शैली में परिवर्तन	0 1 2 3 4 (5) 6
6.	विराम	0 1 2 3 4 (5) 6
7	मौखिक - दृश्य बक्लाव	0 1 2 3 4 (5) 6
8.	विद्यार्थियों की सहभागिता	0 1 2 3 4 (5) 6

Scanned with CamScanner

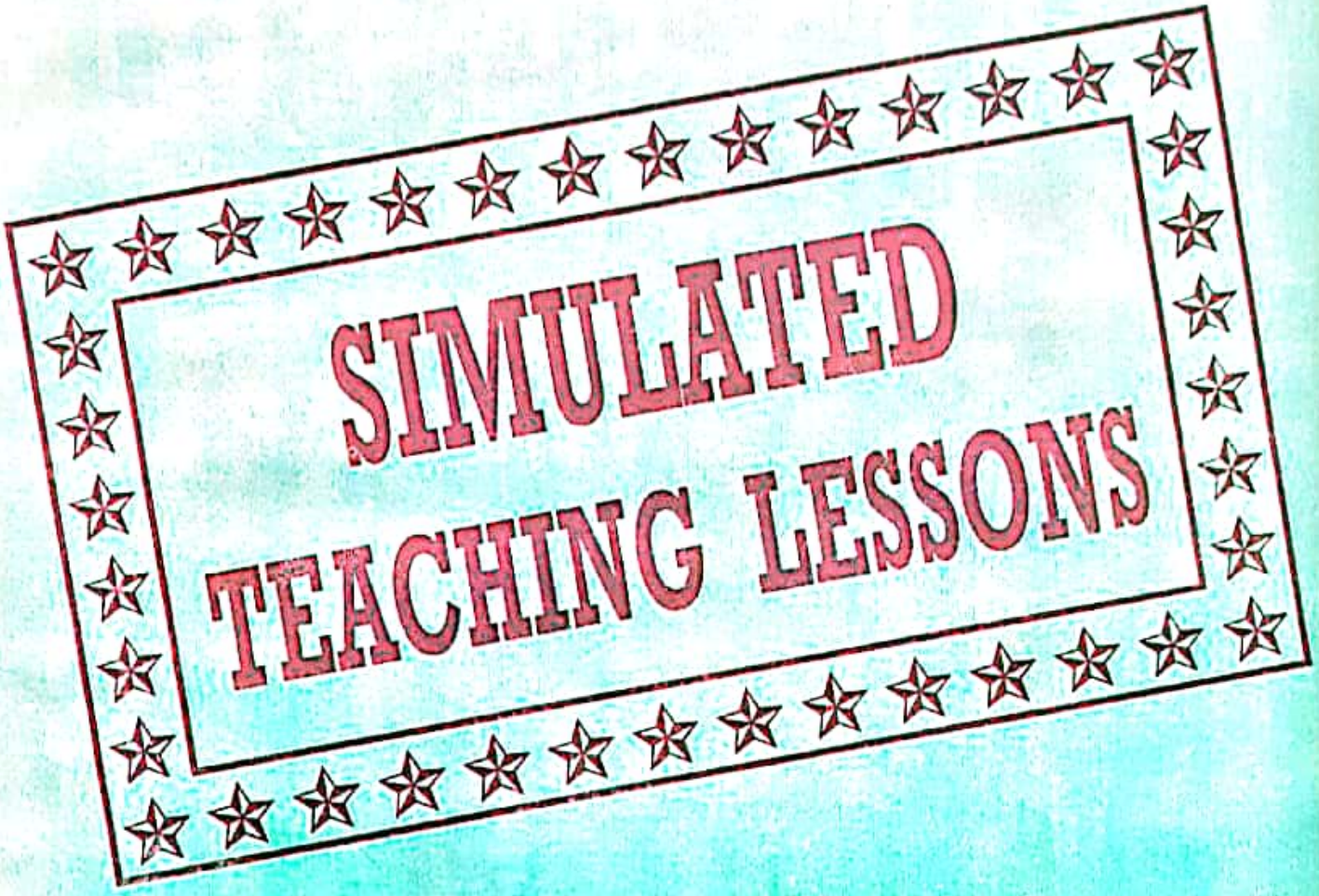

SIMULATED TEACHING LESSONS

Scanned with CamScanner

21.

Lesson No :....1............

Date....13-1-21 | Duration of the period...25 min

Pupil Teacher's Name.....Pargati | Pupil Teacher's Roll No.....861

Class.......7th | Average Age of the pupils.......

Subject.......सामाजिक अध्ययन | Topic....परिवहन तथा संचार तंत्र

☆ अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ चॉक, संकेतक व झाड़न इत्यादि ।

☆ सहायक सामग्री ⇒ चार्ट व मॉडल इत्यादि ।

☆ सामान्य उद्देश्य ⇒

i) मानसिक व बौद्धिक विकास करना ।

ii) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि ।

iii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

iv) शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करना ।

v) स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना ।

☆ अनुदेशात्मक उद्देश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएगा ।

1 विद्यार्थियों को परिवहन तथा संचार तंत्र के बारे में ज्ञान हो जाएगा ।

Scanned with CamScanner

2. विद्यार्थियों को परिवहन तथा संचार तंत्र के बारें वर्गीकरण करना सीख जाएगें।

3. विद्यार्थी परिवहन तथा संचार तंत्र का सामान्यीकरण करना सीख जाएगें।

4. विद्यार्थी परिवहन तथा संचार तंत्र का विश्लेषण करना सीख जाएगें।

☆ **अनुमानित पूर्व ज्ञान** ⇒

विद्यार्थी परिवहन तथा संचार तंत्र के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

☆ **पूर्व ज्ञान की परीक्षा** ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान परीक्षा पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी।

1. पर्लयातायात के साधन कौन - कौन से हैं ?
2. सबसे तीव्र गामी साधन कौन - सा है ?
3. सबसे सस्ता साधन कौन - सा है ?
4. एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने व एक स्थान से दूसरे स्थान पर किसके द्वारा संदेश कर सकते हैं ?

☆ **उद्देश्य कथन** ⇒

संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी की : ⇒

Scanned with CamScanner

23. "अच्छा बच्चो ! आज हम 'परिवहन व संचार तंत्र' के विषय में अध्ययन करेंगे ।"

प्रस्तुतीकरण :→ पाठ को विकसित करने के लिए प्रश्नोत्तर व व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा । :→

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगी ।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे, व मुख्य बिन्दु लिखेंगे।)	
परिवहन तथा संचार तंत्र	एक ऐसा माध्यम जिसके द्वारा सामान एक स्थान से दुसरे स्थान पर लाने व ले जाने के लिए परिवहन का प्रयोग करते हैं ।		परिवहन का प्रयोग हम सामान व मानव को एक स्थान से दुसरे स्थान तक लाने व ले जाने के लिए करते हैं
	परिवहन तथा संचार तंत्र मानव पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण अंग है। नगरों के विकास के लिए परिवहन तथा संचार के साधन महत्वपूर्ण हैं। परिवहन का प्रारंभ आदिकाल से पहिए की खोज से ही हो गया था। अब इसका आधुनिकरण हो गया है।		

Scanned with CamScanner

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
परिवहन के मार्ग :-	परिवहन चार प्रकार का होता है। i) सड़क मार्ग ii) रेल मार्ग iii) जल मार्ग iv) वायु मार्ग		सड़क मार्ग रेल मार्ग जल मार्ग वायु मार्ग
1 सड़क मार्ग:-	विकासात्मक प्रश्न :⇒ 1. छोटी दुरी को तय करने के लिए हम किस मार्ग को अपनाते हैं?	(छात्र उत्तर देंगे) सड़क मार्ग को।	
	2. छोटी दुरी को तय करने के लिए हम इस मार्ग को क्यों अपनाते हैं?	अस्पष्ट उत्तर।	
२. जल मार्ग :-	विकासात्मक प्रश्न :⇒ जल मार्ग से आपका क्या अभिप्राय है?	जलपानों व नावों के द्वारा हम जो यात्रा करते हैं वह जलमार्ग पर होती हैं।	जलमार्ग दो प्रकार का है। i) आंतरिक ii) अंतर्देशीय जल मार्ग
	जल मार्ग कितने प्रकार का होता है?	मौन। अस्पष्ट उत्तर	
संचार तंत्र :	(विकासात्मक प्रश्न)	(छात्र पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे ।)	

	एक स्थान पर बैठकर विभिन्न भागों की जानकारी किससे प्राप्त की जाती है?	संचार तंत्र से	
	संचार तंत्र से आपका क्या अभिप्राय है?	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	(छात्राध्यापिका कथन) संचार तंत्र भी ज्ञान तथा विचारों के आदान-प्रदान के लिए गहराई बन गए हैं। संचार तंत्र व्यक्तिगत या जन समूह स्तर पर होते हैं।		संदेश को व विचारों के आदान-प्रदान को संचार-तंत्र कहते हैं।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	संचार के साधन फोन, इंटरनेट, टी.वी., रेडियो आदि होते हैं। जिनके द्वारा हम अनेक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। और अपने संदेश दूसरों तक पहुँचा सकते हैं।		

गृहकार्य :⇒ छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई विषय वस्तु में से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी ? :-

1. परिवहन किसे कहते हैं ?
2. परिवहन कितने प्रकार का होता है ?
3. संचार तंत्र के साधन कौन - कौन से हैं ?
4. नगरों के विकास के लिए कौन - कौन से साधन महत्वपूर्ण हैं ?

गृह कार्य :⇒ छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई विषय वस्तु में से गृह कार्य देगी। :-

- सभी बच्चे परिवहन तथा संचार तंत्र के विषय में अध्ययन करके आयेंगे।

27.

Lesson No : 2

Date 15-1-21 | Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Pragati | Pupil Teacher's Roll No. 961

Class 6th | Average Age of the pupils

Subject सामाजिक अध्ययन | Topic पर्यावरण प्रदूषण

अनुदेशात्मक सामग्री :⇒ चॉक, झाड़न, संकेतक इत्यादि।

सहायक सामग्री :⇒ चार्ट व मॉडल इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :⇒

मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

i) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

ii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

iii) शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता करना।

iv) स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।

v)

अनुदेशात्मक दृश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के बाद विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारपरक परिवर्तन आ जाएगा।

1. विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के बारे में ज्ञान हो जाएगा।

2. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण की पहचान कर पाएगा।

3. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण का वर्गीकरण कर पाएंगे।

Scanned with CamScanner

4 विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण का विश्लेषण करना सीख जाएंगे।
5 विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण का मूल्यांकन करना सीख जाएंगे।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :⇒ छात्र पर्यावरण प्रदूषण के बारें में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी :-

1. हमें जीवित रहने के लिए किन - किन चीजों की आवश्यकता होती है?
2. जल, वायु, भूमि आदि पर हानिकारक पदार्थों का होना क्या कहलाता है?
3. पर्यावरण प्रदूषण से आप क्या समझते हैं?

उद्देश्य कथन :⇒ छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेंगी की :-
"अच्छा बच्चों! आज हम पर्यावरण प्रदूषण के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण ⇒ पाठ को विकासित करने के लिए प्रश्नोत्तर विधि या व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया (छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगी।)	छात्र अनुक्रिया (छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें व मुख्य बिन्दु लिखेंगें।)	चाकपट्ट कार्य
	(छात्राध्यापिका कथन) पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है। परि + आवरण का अर्थ घीरे हुए इस प्रकार पर्यावरण का अर्थ है। हमें चारों ओर से घेरा पर्यावरण कहलाता है। जब पर्यावरण में हानिकारक चीजों का मील जाना पर्यावरण प्रदुषण कहलाता है। यह प्रदुषण चार प्रकार का होता है। - i) भूमि ii) जल, iii) वायु iv) ध्वनि प्रदुषण।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें व मुख्य बिन्दु एवं कथनों को लिखेंगे।	पर्यावरण दो शब्दों से बना है। परि + आवरण = पर्यावरण। यह चार प्रकार का है- 1. भूमि 2. जल 3 वायु 4. ध्वनि
1 भूमि प्रदुषण ⇒	विकासात्मक प्रश्न भूमि पर ज्यादा मात्रा में अपशिष्ट डालने से कौन-कौन सा प्रदुषण होता है। भूमि प्रदुषण किसे कहते है ?	(छात्र पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे) भूमि प्रदुषण होता है। मौन / अस्पष्ट उत्तर	

Scanned with CamScanner

30.

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका कथन :⇒ भूमि पर ज्यादा मात्रा में कूड़ा-कर्कट फैलना भूमि प्रदूषण कहलाता है। घरों से व उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ भूमि पर डालने से यह प्रदूषण होता है।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु लिखेंगे।)	भूमि पर ज्यादा मात्रा में कूड़ा डालने से भूमि प्रदूषण होता है।
②. जल प्रदूषण	विकासात्मक प्रश्न :⇒ जल के हानिकारक पदार्थों में डालने से कौन-सा प्रदूषण होता है।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे) जल प्रदूषण	
	2. जल प्रदूषण क्या है?	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका कथन :⇒ नदियों झीलों में घटाए जाने वाले औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थों से जल प्रदूषण होता है। जल प्रदूषण बहुत ही हानिकारक होता है।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु लिखेंगे)	जल में अपशिष्ट पदार्थों में को डालने से जल प्रदूषण होता है।

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
③. वायु प्रदूषण	विकासात्मक प्रश्न :⇒ 1. ऑक्सीजन हमें कहाँ से मिलती है ? 2. वायु प्रदूषण क्या होता है ? छात्राध्यापिका कथन ⇒ विषैली गैसों का वायु में मिल जाना वायु प्रदूषण कहलाता है। वायु प्रदूषण से अनेक गैसें दूषित होती हैं।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे) वायु से। अस्पष्ट उत्तर	विषैली गैसों का वायु में मिल जाना वायु प्रदूषण कहलाता है।
④. ध्वनि प्रदूषण	विकासात्मक प्रश्न ⇒ 1. ध्वनि प्रदूषण क्या होता है। छात्राध्यापिका कथन ⇒ तेज गति से चलने वाले वाहनों से ध्वनि प्रदूषण होता है। ध्वनि प्रदूषण बहुत ही हानिकारक होता है। यह मानव के स्वास्थ्य को बहुत प्रभावित करता है।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे) अस्पष्ट उत्तर।	

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय वस्तु में निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. परि + आवरण का क्या अर्थ है ?
2. पर्यावरण प्रदूषण कितने प्रकार का होता है ?
3. जल प्रदूषण किसे कहते हैं ?
4. ध्वनि प्रदूषण किसे कहते हैं ?

गृहकार्य ⇒ छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृह कार्य देगी।

सभी छात्र घर से प्रदूषण पर प्रदूषण के चारों प्रकार लिखकर व याद करके आयेगा।

Scanned with CamScanner

3. Lesson No :......3..........

Date: 18-1-21 Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Pargati Pupil Teacher's Roll No.: 861

Class: 7th Average Age of the pupils: ....

Subject: सामाजिक अध्ययन Topic: 1857 का विद्रोह

अनुदेशात्मक उद्ददेश्य सामग्री ⇒ चॉक, संकेतक, झाड़न इत्यादि ।

सहायक सामग्री ⇒ चार्ट व मॉडल इत्यादि ।

सामान्य उद्देश्य ⇒ मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना ।

(i) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना ।
(ii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
(iii) भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का
(iv) ज्ञान करवाना ।
(v) स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना ।

अनुदेशात्मक उद्देश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएंगे ।

1. विद्यार्थियों को 1857 के विद्रोह के विषय में ज्ञान हो जाएगा ।
2. विद्यार्थी 1857 के विद्रोह का वर्गीकरण सीख जायेगा ।
3. विद्यार्थी 1857 के विद्रोह का विश्लेषण करना सीख जाएंगें ।
4. विद्यार्थी 1857 के विद्रोह का सामान्यीकरण करना सीख जाएंगें ।

Scanned with CamScanner

34.

समानुपाति पूर्व ज्ञान ⇒ विद्यार्थी 1857 के विद्रोह के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा ⇒

1. हमारे देश में कौन-कौन से स्वतन्त्रता संग्राम हुए थे?
2. हमारे देश में कि जो युद्ध हुए थे उनमें किन स्वतंत्र संग्रामियों ने भाग लिया था?
3. 1857 के विद्रोह के विषय में आप क्या समझते हैं?

उद्देश्य कथन ⇒ छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उप विषय की घोषणा करेगी की :-

"अच्छा बच्चों! आज हम 1857 के विद्रोह के विषय में अध्ययन करेंगे"।

प्रस्तुतीकरण ⇒ पाठ को विकासित करने के लिए छात्राध्यापिका व्याख्या विधि व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करेंगी।

Scanned with CamScanner

35.

पाठ्य – वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	
	(छात्राध्यापिका विषयवस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी।)	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।)	
1857 का विद्रोह :-	(छात्राध्यापिका कथन) :- 1857 का विद्रोह एक सुनियोजित कार्य था जैसे-जैसे समय बीतता गया ब्रिटिश सरकार के खिलाफ असहयोग बढ़ता गया। 1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध कहा जाता है सेना के सिपाहियों और साधारण नागरिकों को मौखिक प्रदेशों तथा प्रतीकात्मक रूप से कमल के फूल व रोटियों के वितरण द्वारा संबधित किया गया था। इन सब योजन के पीछे विचार पेशवा बाजीराव के पुत्र नाना साहब का था।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	1857 का विद्रोह एक सुनियोजित कार्य था पेशवा बाजीराव का पुत्र नाना साहब था।

36.

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट
तात्कालिन कारण :→	विकासात्मक प्रश्न →	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)	
	1) गाय व सुअर की चर्बी का प्रयोग किनके लिए किया जाता था?	कारतुसों के लिए।	
	2) 1857 के विद्रोह का तात्कालिन कारण क्या था?	मौन / अस्पष्ट उत्तर	
	(छात्राध्यापिका कथन)→ हिंदु तथा मुसलमान सैनिक को चर्बी युक्त आवरण वाले कारतुसों का दिया जाना, विद्रोह का तत्कालिन कारण था। भारतवासियों का इसे प्रयोग करना मान्य मानते थे क्योंकि इन कारतुसों पर गाय व सुअर की चर्बी लगी होती थी। और पहले इन्हे मुँह से छिलना पड़ता था। 23 जनवरी 1857 को भारतीयों ने इन कारतुसों का प्रयोग करने से मना कर दिया।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोटबुक में लिखेंगे।	23 जनवरी 1857 को इन कारतुसों के प्रयोग करने से मना कर दिया।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1857 के विद्रोह की असफलता →	विकासात्मक प्रश्न : →	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगी।	
	असफलता क्या होती है?	किसी कार्य में सफल न होना।	
	1 विद्रोह की असफलता का 2 मुख्य कारण क्या है?	मौन / अस्पष्ट	
	छात्राध्यापिका क्रिया :- विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण यह था कि यह अपनी निश्चित तिथि से पहले ही प्रारंभ हो गया था। यह 13 मई 1857 को शुरू होना था। लेकिन यह पहले ही शुरू हो गया। समय से पहले विस्फोट हो जाने से भारतीयों में समवास्थ रूप नहीं हो पाया। अंग्रेज सरकार भारतीयों पर बहुत ज्यादा मात्रा में कर लगाती थी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे और लिखेंगे।	विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण समय से पहले मुक्त होता है।

पुनरावृति :⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. 1857 के विद्रोह में किन-किन नेताओं ने भाग लिया था?

2. 1857 के विद्रोह का समय क्या था?

3. 1857 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था?

4. 1857 का विद्रोह असफल क्यों हुआ?

गृह कार्य ⇒

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु से छात्रों का निम्नोक्त गृह कार्य देगी :-

सभी छात्र 1857 के विद्रोह का तत्कालिक कारण क्या था? और यह क्यों असफल हुआ? इसके मुख्य कारण क्या थे? अपनी कॉपी में लिखकर लाए व याद करके आयें।

Scanned with CamScanner

Lesson No :.....4.....

99.

Date.....21-1-21..... Duration of the period.....40 min.....

Pupil Teacher's Name.....Pargati..... Pupil Teacher's Roll No.....761.....

Class.....7th..... Average Age of the pupils.....

Subject.....सामाजिक अध्ययन..... Topic.....प्राकृतिक वनस्पति.....

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ चॉक, संकेतक व झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री ⇒ चार्ट व मॉडल इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य ⇒

i) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
ii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
iii) भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितीयों का ज्ञान कराना।
iv) मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
v) शिक्षा उद्देश्य की प्राप्ति में सहायता देना।

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएगा।

विद्यार्थियों को प्राकृतिक वनस्पति के बारे में ज्ञान हो जाएगा।

1. विद्यार्थी प्राकृतिक वनस्पति की पहचान कर पाएगा।
2. विद्यार्थियों में व्याख्यान कौशल उत्पन्न हो जाएगा।
3. विद्यार्थी प्राकृतिक, वनस्पति का विश्लेषण करना सीख जाएगें।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒ विद्यार्थी प्राकृतिक वनस्पति के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परिक्षा ⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. घने वृक्षों के समुह को क्या कहते है ?
2. वनों में प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली वनस्पति क्या कहलाती है?
3. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं ?

उद्देश्य कथन ⇒ संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका की घोषणा करेंगी की :-

"अच्छा, बच्चों ! आज हम प्राकृतिक वनस्पति के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण ⇒ पाठ को विकासित करने के लिए छात्राध्यापिका व्याख्या व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करेंगी।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपटु कार्य
	(छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी)।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दु लिखेंगे)।	

Scanned with CamScanner

41.

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
प्राकृतिक वनस्पति:-	छात्राध्यापिका कथन :- भारत में लगभग 47000 विभिन्न जातियों के पौधे पाए जाते हैं। जो विविधता की दृष्टि से संसार में दूसरे स्थान तथा एशिया में चौथे स्थान पर है। भारत में 1500 फूल वाले पौधे पाए जाते हैं। हमारा देश बिना फूलों वाले पौधे जैसे फर्न, शैवाल, कवक में भी सम्पन्न हैं। वनस्पति पाँच प्रकार की होती है ~~उष्णकटिबंधं वर्षा वन~~ 1) उष्णकटिबंध पर्णपाती वन 2) कंटीले वन यां झाड़िया 3) शीतोषण कटिबंध वन 4) एवं घास का मैदान। 5) टुन्ड्रा वनस्पति या अल्पलाइन।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे और लिखेंगे।	भारत में लगभग 4700 विभिन्न जातियों के पौधे पाए जाते हैं। वनस्पति पांच प्रकार की होती है। 1) वर्षा वन। पर्णपाती वन। 2) घास के मैदान। 3) अल्पाइन 4) कंटीले वन 5) झाड़ियाँ।
उष्मा कटिबंधीय वर्षा वन:-	विकासात्मक प्रश्न :- 1) वनों की अधिक संख्या किन क्षेत्रों में होती हैं।	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे), लक्षद्वीप, अंडमान व निकोबार द्वीप-समूह क्षेत्र में	

Scanned with CamScanner

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	उष्ण कटिबंधीय वर्षावन कहाँ तक सीमित है।	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका कथन → ये वन पश्चिमी घाटों के अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों तक सीमित हैं। यह वन अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूहों में भी पाये जाते हैं। ये उन क्षेत्रों में विकसित होते हैं, जहाँ 2000cm से अधिक वर्षा होती है। इन वनों में वृक्ष 60m या इससे अधिक ऊँचाई तक पहुँचते हैं। अतः यहाँ हर प्रकार की वनस्पति, वृक्ष झाड़ियाँ व लताएँ विभिन्न होते हैं वृक्षों में पतझड़ होने का कोई निश्चित समय नहीं होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व अपनी पुस्तिका में लिखेंगे।	ये वन अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूहों में पाये जाते हैं। वृक्षों में पतझड़ होने का कोई मौसम नहीं होता है।
उष्णकटिबंध पर्णपाती वन	विकासात्मक प्रश्न :–	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
1)	मानसूनी वन किन वनों को कहते हैं?	उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों को।	

53.

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	2. उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन कहाँ पाये जाते हैं।	मौन / अस्पष्ट उत्तर	
	छात्राध्यापिका कथन :- ये वन भारत में सबसे बड़े क्षेत्र पर फैले हुए हैं, इन्हे मानसूनी वन भी कहते हैं। ये वन उत्तर पूर्वी राज्य झारखंड, पश्चिमी, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ पश्चिमी घाट के ढ़ाले में पाये जाते हैं। सागौन इन वनों की सबसे प्रमुख प्रजाति है। बाँस, साल, शीशम, चंदन आदि प्रजातियों के वन पाये जाते हैं। इन क्षेत्रों के बहुत बड़े भाग को कृषि के लिए साफ कर दिया जाता है, और कुछ भाग में पशुचारण भी होता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को नोट करेंगे।	पर्णपाती वनों को मानसूनी वन भी कहते हैं। झारखंड, पश्चिम उड़ीसा, छत्तीसगढ़ आदि में ये वन पाए जाते हैं।

पुनरावृत्ति ⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई हुई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी कि :-

1. भारत में कितनी प्रजातियों की वनस्पति पाई जाती है?
2. प्राकृतिक वनस्पति कितने प्रकार की होती है?
3. उष्णकटिबंधिय वर्षा वन कहाँ पाए जाते हैं?
4. भारत में लगभग कितने फुल वाले पौधे पाए जाते हैं?

गृहकार्य ⇒ छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से गृह कार्य देगी :-

सभी छात्र प्राकृतिक वनस्पति नाम पाठ से घर से कॉपी में लिखकर व याद करके आयेंगे।

Scanned with CamScanner

45

Lesson No : 5

Date: 23-1-21 | Duration of the period: 20 min
Pupil Teacher's Name: Pargati | Pupil Teacher's Roll No: 261
Class: 7th | Average Age of the pupils:
Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: आदिमानव

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒

चॉक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री ⇒

चार्ट, मॉडल व इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य ⇒

i) मानसिक व बौद्धिक विकास करना।
ii) सामाजिक विरासत का ज्ञान कराना।
iii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
iv) शिक्षा के उद्देश्य में सहायता करना।
v) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒

पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जायेंगे।

1. विद्यार्थियों को आदिमानव के बारे में ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी आदिमानव की पहचान कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी आदिमानव का वर्गीकरण करना सीख जायेंगे।
4. विद्यार्थी विश्लेषण करना सीख जाएंगे।
5. विद्यार्थी आदिमानव का मूल्यांकन करना सीख जाएंगे।

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒

Scanned with CamScanner

छात्र आदिमानव के बारे में सामान्यतः जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी:-

1. समाज में आने से पहले मानव कहाँ रहता था?
2. आरंभ में मनुष्य क्या खाकर पेट भरता था?
3. आरंभ में मनुष्य का व्यवहार कैसा था?
4. हमारे पूर्वज कौन माने जाते हैं?
5. आदिमानव के विषय में आप क्या जानते हैं?

उद्देश्य कथन ⇒

संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेंगी कि -
"अच्छा बच्चों! आज हम आदिमानव के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण ⇒

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा :-

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	(छात्राध्यापिका विषय बिंदु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी।)	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।)	

Scanned with CamScanner

47.

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका कथन :- आरंभ में मनुष्य एक असभ्य मानव के रूप में रहता था। उसे जीवन जीने के तरीके व अन्य और चीजों के वैज्ञानिक ढंग का पता नहीं था। ये लोग शिकार करते थे तथा जंगलों में रहते थे। आज स्थाई जीवन में लंबा वर्ष लग गया है खाद्य संग्रहक से खाद्य उत्पादन तक की उदरता में अपनी को करीब 30,000 साल लगे। पानी, भोजन व तलाश में खंड डालकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते है। आरंभ में लोग खानाबदोश थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	आदिमानव जंगलों में रहते व शिकार करते थे। खाद्य संग्रहक से खाद्य उत्पादन में उन्हें 30,000 साल लगे।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
आग की खोज :→	(विकासात्मक प्रश्न):-	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)।	
1.	दो पत्थर के टुकड़ों को आपस में रगड़ने से जो चिंगारी उठती है, उसे क्या कहते हैं?	उसे आग कहते हैं।	
2.	आग की खोज किसने की थी?	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका कथन:-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
	आग की खोज आदि-मानव ने की थी। चमकीले पत्थर के दो टुकड़े को आपस में रगड़ने से चिंगारी उठी। और वह सूखी पत्तियों व टहनीयों पर गिरी तो उनमें आग लग गई। इस प्रकार बाद में रुचि पत्थरों के टुकड़ों को आदिमानव ने अपने हथियार तथा औजार बनाने में परिवर्तन किया।		दो पत्थरों को आपस में रगड़ने से आग की खोज हुई।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
पहिए की खोज :-	विकासात्मक प्रश्न :-	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
1	पहिए का हमारे जीवन में क्या महत्व है?	पहिए में परिवहन के साधनों का निर्माण होता है। जिससे हम यात्रा करते हैं।	
2.	पहिए की खोज किसने की	आदिमानव ने।	
3	पहिए की खोज कैसे हुई?	मौन / अस्पष्ट उत्तर	
	छात्राध्यापिका क्रिया :) :-		
	पहिए की खोज एक महत्वपूर्ण खोज थी। जो आदिमानव ने की। पहिए बैलगाड़ी से रेलगाड़ी तक बनाई गई। चक्र की खोज करके आदमी ने चाक के अनेक बर्तन बनाए। पत्थर की खोज से आदि-मानव के यातायात में परिवर्तन हुए और वह धीरे-2 एक सामान्य व्यक्ति के रूप में जीने लगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे, व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	आदिमानव ने पहिए की खोज की। आदिमानव बाद में वह सामान्य जीवन जीने लगा।

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :- छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से छात्रों से निम्नांकित प्रश्न पूछेंगी :-

1) हमारे पूर्वज कौन माने जाते हैं ?
2) आग की खोज किसने की ?
3) पहले मनुष्य क्या खाता था ?
4) पहिए की खोज किसने की ?

गृह कार्य :- छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में छात्रों को निम्नांकित गृह कार्य देंगी :-

आविष्कार किसे कहते हैं ?
1. आग का आविष्कार कैसे हुआ ?
2. पहिए का आविष्कार किसने किया ?
3.

— सभी छात्र कॉपी में लिखेंगें व घर में याद करके आएंगें ।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

51·

Lesson No :..................

Date 28-1-21 Duration of the period 25 min.

Pupil Teacher's Name Pargati Pupil Teacher's Roll No 361

Class 6th Average Age of the pupils

Subject सामाजिक अध्ययन Topic शासक और इमारतें।

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ चॉक, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री ⇒ विषय-वस्तु को दर्शाता चार्ट।

सामान्य उद्देश्य ⇒

i) मानसिक व बौद्धिक विकास करना।
ii) विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
iii) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
iv) स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
v) सामाजिक विरासत का ज्ञान करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य ⇒

1) विद्यार्थियों को ऐतिहासिक इमारतों की प्रयासपूर्ण हो जाएगा।
2) विद्यार्थी पुरानी तकनीक और नई तकनीक में भेद करें।
3) विद्यार्थी भवनों की पुरानी तकनीक का उदाहरण दे पाएंगे।
4) विद्यार्थी चार्ट बना पाएगा।
5) विद्यार्थी पुरानी चीजों व नई चीजों का मूल्यांकन कर पाएंगे।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :⇒ विद्यार्थी 'शासक और इमारतें' के विषय

Scanned with CamScanner

52.

में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी। :-

1. हमारे देश का क्या नाम है?
2. हमारे देश की राजधानी का क्या नाम है?
3. दिल्ली में कौन-कौन सी इमारतें हैं?
4. कुतुबमीनार का निर्माण किसने करवाया?
5. कढ़रिया महादेव मन्दिर का निर्माण किसने करवाया।

उद्देश्य कथन : ⇒

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि :-

"अच्छा बच्चों! आज हम 'शासक और इमारतें' के विषय में अध्ययन करेंगें।

प्रस्तुतीकरण : ⇒

पाठ को विकासित करने के लिए व्याख्या विधि व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा व पाठ की रोचकता बढ़ाने के लिए चार्ट का प्रयोग किया जायेगा।

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट कार्य
कुतुबमीनार	(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी।) छात्राध्यापिका कथन:- कुतुबमीनार दिल्ली में है, इस इमारत का निर्माण कुतुबद्दीन ऐबक ने तथा शेष मंजिल का निर्माण 1229 के आस-पास इल्तुमिश द्वारा करवाया गया था। यह पांच मंजिली इमारत है। अभिलेखों की पट्टियाँ इसके पहले छज्जे के नीचे हैं। कई वर्षों में यह इमारत आंधी तूफान तथा भूकंप की वजह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद तुगलक, फिरोजशाह तुगलक ने इस इमारत की मरम्मत करवाई।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे।)	कुतुबमीनार दिल्ली में स्थित है, वह इसका निर्माण कुतुबद्दीन ऐबक ने पहली मंजिल का निर्माण करवाया था। कुतुबमीनार पाँच मंजिली इमारत है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
	जिज्ञासात्मक प्रश्न :→	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
1.	कौशल शब्द से क्या अभिप्राय है ?	किसी कार्य को करने में निपुण होना।	
2.	निर्माण शब्द से क्या अभिप्राय है ?	किसी इमारत या किसी वस्तु का बनाना निर्माण कहलाता है।	
3	पहले निर्माण कार्य कैसे होते थे ?	मौन।	
इंजीनियरिंग कौशल तथा निर्माण कार्य →	छात्राध्यापिका कथन→ स्मारकों से हमें उनके निर्माण में प्रयुक्त शिल्प विज्ञान का भी पता चलता है। 7 वीं कक्षा, 8वीं शताब्दी के मुख्य वस्तुकार भवनों में और अधिक कमरें, दरवाजे और खिड़किया बनाने लगे। छत और दरवाजें और खिड़कियाँ उन्हीं द्वारा उर्ध्वाधर क्षेत्र के ऊपर आर-पार एक अनुप्रस्थ शहतीर रखकर बनाए जाते थे।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे। व मुख्य बिन्दुओं को लिखेंगे।	इंजीनियरिंग कौशल तथा नि[…] कार्य :- भवनों में आं[…] 1. कमरें दरवाजे [...] खिड़किया बना[…] छत दरवाजें व 2. खिड़किया के द[…] उर्ध्वाधर खम्भ[…] पः उदर परस्पर अनुपरूप शहतीर बना[…]

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र-अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	वस्तुकला की यह शैली, अनुप्रस्था, टोडा, निर्माण कहलाई जाती है।		
वी शताब्दी के प्रारंभ में मंदिर निर्माण	विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
I	परतें इमारते किस तकनीक से बनाई जाती है?	अनुरूप टोडा तकनीक में।	
II	आजकल इमारतव मंदिर किस तरह बनाए जाते है ?	मौन।	
(I)	छात्राध्यापिका कथन:- कदरिया महादेव मंदिर शिव की स्तुति में बनाए गए कदरिया महादेव का निर्माण चन्देल राजवंश का राजा धंग देव द्वारा ववम में किया गया था। इस मंदिर में एक अलकृंत द्वार से इसके प्रवेश भार और मुख्य सभाभवन का आयोजन होता था। प्रमुख देवता की मूर्ति	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	1) कदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजवंश के राजा रकं देव ने सदन में किया था।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
	गुरुत्व मंदिर में रखी जाती है। अनुष्ठान इसी जगह सम्पन्न किये जाते थे। तथा इसमें केवल राजा तथा उसका निकटतम परिवार तथा पुरोहित एकत्रित होते थे।		i) इसमें प्र… अलंकृत प्र… में होता… ii) प्रमुख देव… मूर्ति गुरुत्व… में रखी जाती थी।
	i) तंजापुर का राजरेदार मन्दिर :⇒ तंजापुर के राजेसर मंदिर का शिखर इस समय के मंदिरों में सबसे ऊँचा था। इसका निर्माण आसान नहीं था। क्योंकि उस समय क्रेन नहीं थी। शिखर पर 90 टन का पत्थर ले जाना भारी होता था। इसलिए इस काम के लिए वास्तुकारों ने मन्दिर के शीर्ष तक पहुँचने के लिए चढ़ाईदार रास्ता बनाया।	i) ii)	तंजापुर राजे… मंदिर उस स… का सबसे ऊँ… मंदिर था। कटन का प… इसके शीर्ष चढ़ाना बहुत कठिन कार्य था।

Scanned with CamScanner

57.

पुनरावृत्ति :→

छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई पाठ्य पुस्तक में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :—

1) कुतुबमीनार किस राज्य में है ?
2) कुतुबमीनार का निर्माण किसने करवाया ?
3) कुतुबमीनार की कितनी मंजिले है ?
4) कंदरिया महादेव का मन्दिर किसने बनवाया था ?
5) 7 वीं तथा 10 वीं शताब्दी के मुख्य भवन किस तकनीक से बनाए जाते थे ?

गृह कार्य :→

छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई-गई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त गृह कार्य देगी :-

(i) सभी छात्र 'शासक और इमारते' पाठ का अध्ययन करके आयेंगें व इसके प्रश्नोत्तरों को कॉपी में लिखेंगें व याद करेंगें।

SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS

Scanned with CamScanner

59

Lesson No : 1

Date: 6-2-21 | Duration of the period: 20 Min

Pupil Teacher's Name: Pargati | Pupil Teacher's Roll No.: 861

Class: 6th | Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: हमारे राष्ट्रीय प्रतीक और पहचान

अनुदेशात्मक सामग्री :⇒

चाक, झाड़न व संकेतक इत्यादि।

सहायक सामग्री ⇒

राष्ट्रीय प्रतीकों व पहचानों को दर्शाता हुआ चार्ट।

सामान्य उद्देश्य :⇒

मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

1. राष्ट्रीय भावना का विकास करना।
2. राष्ट्रीय चिह्नों के प्रति आदर की भावना का विकास करना।
3. राष्ट्रीय प्रेम व राष्ट्रीय सुरक्षा की भावना का विकास करना।
4. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
5.

व्यवहारपरक उद्देश्य :⇒

पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों में व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएगा।:-

छात्रा राष्ट्रीय प्रतीकों की पहचान कर सकेगी।

1. छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि हो जाएगी।
2. छात्रों में राष्ट्रीय प्रतीकों से सम्बंधित पूर्व का प्रत्यासमरण
3. कर सकेंगे।
4. छात्रा राष्ट्रीय प्रतीकों के ज्ञान का उपयोग करेंगी।

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒

छात्रा राष्ट्रीय प्रतीकों के विषय में सामान्य जानकारी रखती है।

Scanned with CamScanner

पूर्व ज्ञान परिक्षा : ⇒ छात्राध्यापिका छात्राओं से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी :-

1. हमारे देश का नया नाम है ?
2. हमारा देश कब स्वतंत्र हुआ ?
3. हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम बताए ?

उद्देश्य कथन ⇒ छात्राओं में संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेंगी की -
"अच्छा बच्चों ! आज हम 'हमारे राष्ट्रीय प्रतीक' और पहचान के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण : ⇒

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी :-		
(I) राष्ट्रीय ध्वज :-	छात्राध्यापिका कथन :- राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग होते हैं। केसरिया, सफेद हरा। ऊपरी पट्टी गहरे रंग की होती है।		

पाठ्य-वस्तु	व्याख्यात्मिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	केसरिया रंग की पट्टी शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। बीच की पट्टी राज श्वेत है। यह सत्य और शांति का प्रतीक है। सबसे नीचे की पट्टी गहरे रंग की होती है। हरा रंग जीवन में उत्पादकता और खुशहाली को दर्शाता है। श्वेत पट्टी के मध्य में 24 तिलियों वाला गहरे रंग का चक्र है यह समय को दर्शाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई चौड़ाई का 3:2 है।		राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग है (i) केसरिया। (ii) सफेद। (iii) हरा। राष्ट्रीय ध्वज का अनुपात 3:2 है।
II राष्ट्रीय पक्षी	विकासात्मक प्रश्न ⇒	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
1	हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है?	मोर।	
2	मोर की विशेषता बताओ?	मोर / अस्पष्ट उत्तर	

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका कथन: पक्षियों में सबसे सुंदर मोर है, और मोर की तुलना उसकी लंबी चमकदार, गर्दन और पंखों की शक्ल वाली कलगी के लिए की जाती है। मोर का नृत्य और विशेषकर तथा वृहत में इसका नृत्य वास्तव में देखने योग्य है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व प्रेरणा ग्रहण करेंगे।	मोर की गर्दन लंबी व सुंदर होती है।
राष्ट्रीय कथन	विकासात्मक प्रश्न⇒		
1.	हमारा राष्ट्रीय गान कौन-सा है?	जन-गन मन	
2.	राष्ट्रीय गान के समय किन विषयों का पालन करना चाहिए।	मौन / अस्पष्ट उत्तर	
	छात्राध्यापिका कथन जब राष्ट्रीय गान गाया जाता है तो प्रत्येक को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना चाहिए व चलना बोलना नहीं चाहिए। प्रत्येक को राष्ट्रीय गान का सरल पता होना चाहिए।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व प्रेरणा ग्रहण करेंगे।	राष्ट्रीय गान के समय सावधान रहना चाहिए

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	और इसे ठीक से समर्थ होना चाहिए। जब समूह में गाया जाएगा तो इसे एक स्वर और पूरे जोश के साथ गाना चाहिए। किसी को भी इसे जानबूझ कर इस गाने को रोकना नही चाहिए।		यह गान एक समूह में भी स्वर के साथ गाना चाहिए।
राष्ट्रीय पशु ⇒	विकासात्मक प्रश्न :⇒	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)	
1)	हमारा राष्ट्रीय पशु कौन है?	बाघ।	
2)	यह किसका प्रतीक है?	शक्ति और शान का	
	छात्राध्यापिका कथन :⇒ "इस पशु की सुंदर, आवाज और शक्ति ने प्राचीन समय से भारतीय को अभिभूत किया है।	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे)	बाघ ने अपनी शक्ति से प्राचीन समय से भारतीय को अभिभुत
राष्ट्रीय गीत	विकासात्मक प्रश्न ⇒	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
①	हमारा राष्ट्रीय गीत कौन-सा है?	वन्देमातरम्	
②	यह गीत किसके द्वारा रचित है?	बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय।	

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका कथा :⇒ हमारा स्वतंत्रता संघर्ष में राष्ट्रीय गीत सभी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत था। इसका महत्व भी राष्ट्रीय गान के सजकर है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।।	

पुनरावृत्ति :⇒

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी। :-

1. राष्ट्रीय प्रतीकों के नाम बताओ ?
2. हमारा राष्ट्रीय गान कौन-सा है ?
3. हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है ?

गृह कार्य :-

⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से गृहकार्य देगी। :-

1. राष्ट्रीय ध्वज का आकार कैसा है ?
2. हमारा राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है ?
3. मोर की विशेषता बताओ ?

Scanned with CamScanner

Lesson No : 2

65. **Date** 8-2-21 **Duration of the period** 20 min.

Pupil Teacher's Name Pargati **Pupil Teacher's Roll No** 861

Class 6th **Average Age of the pupils**

Subject सामाजिक अध्ययन **Topic** मृदा

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ चाक, झाडन व संकेतक आदि।

सहायक सामग्री ⇒

1 छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2 पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3 मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
4 भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का आभास होना।
5 स्वतंत्र चींतन को अभिप्रेरित करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएगा।

1 विद्यार्थी को मृदा के प्रकार का ज्ञान होना चाहिए।
2 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की मृदा की पहचान पायेंगे।
3 छात्र विभिन्न मृदाओं का वर्गीकरण कर पायेंगे।
4 मृदा के प्रकारों की पुष्टि करना सीखेगें।

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒ छात्र मृदा के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परिक्षा ⇒ छात्राध्यापिका पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी।

Scanned with CamScanner

1 भारत के अधिकांश लोग कहाँ रहते हैं ?
2 उन लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है ?
3 खेती के लिए सबसे जरूरी चीज़ कौन-सी है ?
4 मिट्टी कितने प्रकार की होती है ?
5

उद्देश्य कथन ⇒ छात्राओं से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि :- "अच्छा बच्चो ! आज हम मृदा के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण ⇒ पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या तथा प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जायेगा । :-

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र-अनुक्रिया	चाक पट्ट
	(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णकोण व्याख्या करेंगी ।)	(छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिन्दु लिखेंगे ।	
मिट्टी का निर्माण	(छात्राध्यापिका क्रिया) मिट्टी हमारे जीवन का आधार है। मिट्टी भूल शैली के विखण्डित पदार्थों से बनती है। वनस्पति तथा जीव जंतुओं के अवशेष मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं।		शैलों के कणों मिट्टी का निर्माण हुआ
मिट्टी के प्रकार ⇒	मिट्टी चार प्रकार की होती है।		

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	जलोढ़ मिट्टी		जलोढ़ मिट्टी
1	काली मिट्टी		1 काली मिट्टी
2	लाल मिट्टी		2 लाल मिट्टी
3	लैटराइट मिट्टी		3 लैटराइट
4			4
1 जलोढ़ मिट्टी ⇒	विकासात्मक प्रश्न ⇒	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
1	मिट्टी क्यों आवश्यक है?	फसलों को उगाने	
2	गेहूँ के लिए कौन-सी मिट्टी आवश्यक है?	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका कथन - यह बहुत ही उपयोगी है। गेहूँ के लिए जलोढ़ मृदा की आवश्यकता होती है। यह मिट्टी हिमालय में निकलने वाली तीन बड़ी नदियाँ गंगा, सतलज, ब्रह्मपुत्र द्वारा कर लाई जाती है और उत्तर मैदान में जमा कर देती हैं।		यह मृदा गुजरात के मैदान व उत्तरी मैदान में पाई जाती है।
2 काली मिट्टी ⇒	विकासात्मक प्रश्न →	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
1	महाराष्ट्र सौराष्ट्र प्रस्तान में निम्न प्रकार की मिट्टी पाई जाती है।	काली मिट्टी।	
2	काली मिट्टी किस के लिए उपयोगी है?	अस्पष्ट उत्तर।	
	इस मिट्टी का रंग लाल होता है।		

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	यह महाराष्ट्र, सौराष्ट्र मालवा तथा दक्षिण मध्य प्रदेश में पाई जाती है। इस मिट्टी में पोषक तत्व पाये जाते हैं। इसमें कैलसियम, कार्बोनेट मैग्नीशियम और चुना इसके पोषक तत्व हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मानचित्र देखेंगे	महाराष्ट्र मालवा दक्षिण प्रदेश में पाई जाती है।
5 लाल मिट्टी	विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
	1. क्रिस्टलीय शैल से किस मिट्टी का निर्माण हुआ?	लाल मिट्टी का।	
	2. लाल मिट्टी कहाँ पाई जाती है?		
	छात्राध्यापिका कथन :-		
	इस मिट्टी में लाल तथा पिले रंग के अनेक आभाएं दिखाई देती हैं। इसका रंग लाल होता है। इसका विकास क्रिस्टलीय शैल से हुआ है यह प्रायद्वीप के पूर्व भागों में जिनमें छोटा नागपुर का पठार, उड़ीसा, पूर्वी, मध्य-प्रदेश तथा तामिलनाडु		इसका विकास क्रिस्टलीय शैल से हुआ है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	का प्रकार सम्मिलित हैं। लाल मिट्टी में कार्बनिक अम्ल जैविक पदार्थों तथा नाइट्रोजन पदार्थों की कमी होती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व उपयोगी बिंदुओं को लिखेंगे।	यह छोटा नागपुर, मध्य-प्रदेश तमिलनाडु में पाई जाती है।
4 लैटराइट मिट्टी :⇒	विकासात्मक प्रश्न :⇒	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
	1. उष्ण कटिबंधीय भारी वर्षा के कारण होने वाली मिट्टी कौन-सी है?	लैटराइट मिट्टी।	
	2. लैटराईट मिट्टी किसके लिए उपयोगी है।	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका क्रिया :⇒		
	उष्ण कटिबंधीय भारी वर्षा के कारण होने वाली तीव्र क्षालन क्रिया के परिणामस्वरूप इस मिट्टी का निर्माण हुआ। यह मिट्टी बहुत ही उपयोगी है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व उपयोगी बिंदुओं को लिखेंगे।	उष्ण कटिबंधीय भारी वर्षा से इस मिट्टी का निर्माण हुआ।

पुनरावृत्ति →
छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नांकित प्रश्न पूछेगी :-

1) मिट्टी कितने प्रकार की होती है ?
2) जलोढ़ मृदा कहाँ पाई जाती है ?
3) काली मिट्टी में कौन - कौन से पोषक तत्व पाये जाते हैं ?
4) सबसे उपजाऊ मिट्टी कौन -सी है , नाम बताओ ?

गृहकार्य →
छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से छात्रों को गृह कार्य देगी :-

सभी छात्र घर से मिट्टी के प्रकारों के विषय में पढ़कर व कॉपी में लिख कर लायेंगे।

71

Lesson No :- 3

Date: 9-2-21 Duration of the period:

Pupil Teacher's Name: Pragati Pupil Teacher's Roll No.: 861

Class: 6th Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन Topic: पर्यावरण के घटक

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒

चाक, संकेतक, झाड़न, श्यामपट्ट आदि।

सहायक सामग्री ⇒

पर्यावरण के घटकों को दर्शाता चार्ट।

सामान्य उद्देश्य ⇒

मानसिक व बौद्धिक विकास करना।

1) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2) छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
3) शिक्षा की प्राप्ति में उद्देश्यों में सहायता करना।
4)

व्यवहारपरक उद्देश्य :⇒

पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन आ जाएगा।

1. छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करना।
2. छात्र पर्यावरण के घटक से प्राप्त ज्ञान का प्रयोग कर सकेंगे।
3. छात्रों में पर्यावरण के घटक से संबंधित पूर्वज्ञान से प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
4. छात्र पर्यावरण के घटकों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :⇒

छात्र पर्यावरण घटक के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

Scanned with CamScanner

पूर्व ज्ञान परीक्षा :→

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेगी।

* जीने के लिए क्या आवश्यक है ?
* ये हमें कहाँ से प्राप्त होते हैं ?
* हमारे चारों ओर के वातावरण को क्या कहते हैं ?

उद्देश्य कथन →

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेंगी कि :-

"अच्छा बच्चों, आज हम 'पर्यावरण के घटकों' के विषय में अध्ययन करेंगे।"

प्रस्तुतीकरण →

पाठ को विकसित करने के लिए व्याख्या तथा प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग किया जाएगा :-

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी।)	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे	
मिट्टी का निर्माण →	(छात्राध्यापिका क्रिया) मिट्टी हमारे जीवन का आधार है। मिट्टी मूल शैलों की विखंडित पदार्थों से बनती है। वनस्पति तथा जंतुओं के अवशेष मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं।		शैल के विखंडन से मिट्टी का निर्माण हुआ

Lepcha । [illegible]

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
पर्यावरण के परिमण्डल :-	पर्यावरण के चार परि-मण्डल हैं 1 जल मंडल 2 वायु मंडल 3 स्थल मंडल 4 जैव मंडल ।		प्रमुख परिमंडल जल मण्डल स्थल मण्डल वायु मण्डल जैव मण्डल
वायु मण्डल :-	(विकासात्मक प्रश्न)	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे ।	
1.	वायुमण्डल किसे कहते हैं ?	वायु की वह पतली परत जो पृथ्वी के चारों ओर घेरे है	
2.	वायुमंडल क्यों आवश्यक है	मौन /अस्पष्ट	
	छात्राध्यापिका कथन :→ वायु हमारा जीवन का आधार है। जिससे हम लोग जीवित रह सकते हैं। इसके बगैर हम जीवित नहीं रह सकते यह सूर्य से आने वाली पैराबैंगनी किरणों से बचाता है, इसलिए यह आवश्यक है। वायुमण्डल की प्रकृति परिवर्तन शील है।		सूर्य की आने वाली पैराबैंगनी से बचाता है।
पर्यावरण के परिमण्डल →	पर्यावरण के प्रमुख चार परिमण्डल हैं।		पर्यावरण के चार परिमंडल

Scanned with CamScanner

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट
1	वायु मण्डल		1 वायु मण्डल
2	स्थल मण्डल		2 स्थल मण्डल
3	जल मण्डल		3 जल मण्डल
4	जैव मण्डल		4 जैव मण्डल
(I) स्थल मंडल:-	विकासात्मक प्रश्न ⇒	छात्रों पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे	
1	स्थलमंडल की औसत मोटाई क्या है?	100 km।	
2	स्थलमंडल किसके पास है?	मौन। अस्पष्ट	
	छात्राध्यापिका कथन ⇒	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगें व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	
	स्थलमंडल सिलीका एवं एलुमिनियम शैलों से समृद्ध सियाल, नामक परत से बना है, जो महाद्वीपों में पाई जाती है।		पृथ्वी की ... जो शैलों ... द्वारा निर्मि...
(2) जल मण्डल:-	विकासात्मक प्रश्न ⇒	(छात्र पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे)	
1	जल का निर्माण किसके द्वारा होता है?	नदियों व झीलों समुद्र एवं महासागरों द्वारा।	
2	जलमण्डल किसे कहते है?	मौन। अस्पष्ट उत्तर।	

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनु क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
3 जल मण्डल	छात्राध्यापिका क्रिया जल जीवन का आधार है इससे हमें भोजन एवं खनिज भी प्राप्त होता है। इससे खनिज, तेल तथा गैस भी प्राप्त होती है। इस प्रकार जल बहुत महत्वपूर्ण है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।	जल का बहुत महत्व है, इसके बिना हम जीवित नहीं रह सकते।
4 जैव मण्डल ⇒	विकासात्मक प्रश्न :-	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगी)	
1	स्थल, जल व वायु किसके भाग हैं?	जैवमंडल के।	
2	जैवमण्डल का क्षेत्र कैसा है?	संकरा।	
	छात्राध्यापिका कथन :⇒ अधिकांश जीवित प्राणी चाहे वह पौधा हो या जीव पृथ्वी स्थल या जल की सतह पर पाए जाते हैं। जो वायु से घिरी होती है। इस प्रकार ग्रह पर जैवमण्डल बहुत ही संकरा।	छात्रा ध्यानपूर्वक सुनेंगी एवं समझेंगी और छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	जैवमण्डल का क्षेत्र संकरा है।

पुनरावृत्ति :⇒

छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय वस्तु से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी।:-

1 पर्यावरण किसे कहते हैं ?
2 वायुमंडल किसे कहते हैं ?
3 स्थलमंडल किसे कहते हैं ?
4 जलमंडल किसे कहते हैं ?

गृहकार्य :⇒

छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नोक्त गृह कार्य देगी।

सभी छात्र घर से पर्यावरण के घटक को कॉपी में लिखेंगे व इसके प्रश्नोत्तर याद करके आएंगे।

77

Lesson No : 4

Date: 19-2-21 | Duration of the period: 20 min.

Pupil Teacher's Name: Pargati | Pupil Teacher's Roll No.: 861

Class: 7th | Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन | Topic: 'सरकार'

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒ चाक, श्यामपट्ट, संकेतक, झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री ⇒ विषय-वस्तु से सम्बंधित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य ⇒
(i) सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन के प्रति रुचि उत्पन्न
(ii) उत्तम नागरिक के गुणों का विकास करना।
(iii) कर्तव्यों एवं अधिकारों के प्रति सचेत रहना।
(iv) वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।

व्यवहारपरक उद्देश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात छात्राओं के व्यवहार में निम्नांकित अपेक्षित परिवर्तन आ जाएगें।
1. विद्यार्थी को सरकार से संबंधित ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी सरकार का अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगें।
3. विद्यार्थी में सरकार का कौशल उत्पन्न हो जाएगा।
4. विद्यार्थियों में विचार विश्लेषण शक्ति का विकास हो जाएगा।

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒ छात्र सरकार के विषय में सामान्य जानकारी रखती हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा ⇒ छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित प्रश्न पुछेगी।

Scanned with CamScanner

आपका क्या नाम है ?
1 आप कहाँ रहते हैं ?
2 क्या आपको वोट डालने का अधिकार है ?
3 आप सरकार के विषय में क्या जानते हैं ?
4.

उद्देश्य कथन

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेंगी कि –
" अच्छा बच्चो। आइए हम 'सरकार' के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण ⇒

पाठ को विकासीत करने के लिए व्याख्या तथा प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करेंगी।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट
	वस्तु की पूर्णरुपेण व्याख्या करेंगी।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु लिखेंगे।	
सरकार :-	सरकार से क्या अभिप्राय है ?	सरकार वह है, जो कानून बनाती है। उन्हें लागु करती है।	
कानून बनाना	वह देश को विभिन्न निर्णय लेने और काम करने के लिए किसकी जरुरत होती है ?	सरकार की।	

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका क्रिया⇒ सरकार कानून बनाती है और न मानने पर दण्ड देती है, यह शिक्षा उपलब्ध करती है। और मुद्रा भी डालती है। सरकार सभी कानून इच्छा से चलाती है और उन्हे लागु करती है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे	सरकार कानून बनाती है और न मानने पर दण्ड देती है।
सरकार के कार्य	विकासात्मक प्रश्न		
1.	देश की सीमाओं की सुरक्षा कौन करती है?	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। सरकार।	
2.	गरीबों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कौन करती है?	सरकार द्वारा।	
3	सरकार के क्या-क्या कार्य हैं?	मौन। अस्पष्ट उत्तर।	
	छात्राध्यापिका कथन⇒ सरकार का कार्य देश की सीमाओं की सुरक्षा करना और दूसरे देशों से शांतिपूर्व संबंध बनाए रखना भी है।		सरकार का कार्य देश की रक्षा करना है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	उसकी जिम्मेवारी यह सुनिश्चित करना है। कि देश के सभी नागरिकों को पर्याप्त भोजन और अच्छी स्वच्छ सुविधाएँ मिले।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु लिखेंगे।	सरकार का कार्य दूसरे देशों के साथ संबंध बनाना है।
सरकार के स्तर :-	विकासात्मक प्रश्न	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे	
1	सरकार के कितने स्तर हैं ?	तीन ।	
2	सरकार के स्तरों के नाम बताओं ?	1 स्थानीय स्तर । 2 राज्य स्तर । 3 राष्ट्रीय स्तर ।	
3	इन स्तरों में क्या-क्या होता हैं ?	मौन / असपष्ट	
	छात्राध्यापिका कथन → स्थानीय स्तर का कार्य आपके गाँव शहर या मोहल्ले से है। राज्य स्तर का कार्य यह है कि पूरे राज्य को ध्यान में रखे। जैसे हरियाणा या असम की सरकार करती है	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदु लिखेंगे।	सरकार पीड़ित लोगों की सहायता करती है

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	राष्ट्रीय स्तर का सम्बंध पूरे देश में होता है, जैसे भारत।		राष्ट्रीय स्तर का सबंध पूरे देश में होता है।
सरकार एवं कानून :-	विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे	
1	सरकार क्या जानती है?	कानून।	
2	सरकार किसको मानती है?	जनता को।	
3	सरकार कानून बनाने को कैसे बाध्य-बाध्य कानून करती है?	मौन।	
	छात्राध्यापिका कथन :- सरकार के पास जैसे कानून बनाने की ताकत भी होती है। जैसे की यह ताकत भी होती है कि लोगों को मानने के लिए बाध्य करें। उनके पास यह शक्ति होती है।		सरकार के पास जैसे कानून होते है उन्ही का प्रयोग करती है।

पुनरावृत्ति ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पाठ्य-वस्तु में से निम्न प्रश्न पूछेगी।

सरकार से क्या अभिप्राय है?
1. सरकार के कितने स्तर होते हैं?
2. स्थापित स्तर से क्या अभिप्राय है?
3. राज्य स्तर का क्या काम है?
4.

गृह कार्य ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों से पाठ्य-पुस्तक में से निम्नांकित गृह कार्य देगी :-

सरकार से क्या अभिप्राय है?
1.) देश की सीमाओं की सुरक्षा कौन करती है?
2.) सरकार के क्या-क्या कार्य हैं?
3.)

Lesson No :.....5..........

83 Date.....11-2-21.......... Duration of the period.....20 Min.

Pupil Teacher's Name.....Pargati..... Pupil Teacher's Roll No.....261

Class.....7th..... Average Age of the pupils.....

Subject.....सामाजिक अध्ययन..... Topic.....'हमारा देश भारत'

अनुदेशात्मक सामग्री :→
चार्ट, संकेतक, श्यामपट्ट, डस्टर इत्यादि।

सहायक सामग्री :→
मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
1) छात्राओं के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3) स्वतंत्र चिंतन को अभिप्रेरित करना।
4)

व्यवहारपरक उद्देश्य →
पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित परिवर्तन आ जाएगा।
विद्यार्थी को भारत देश से संबंधित ज्ञान हो जाएगा।
1) विद्यार्थी भारत देश को पहचान सकेंगे।
2) विद्यार्थी मूल्यांकन करना सीख जाएंगे।
3) विद्यार्थियों में भारत देश में संबंधित पुर्वरण के।
4) प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
5)

अनुमानित पूर्व ज्ञान →
छात्र हमारे देश भारत के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परिक्षा →
छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी।
1 हम किस देश के निवासी हैं?

Scanned with CamScanner

1. हमारे देश में कितने राज्य हैं ?
2. हमारे देश में कितने केन्द्रशासित प्रदेश हैं ?
3.

उद्देश्य कथन ⇒

छात्राओं से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका घोषणा करेगी कि :-
"अच्छा बच्चों ! आज हम 'हमारे देश भारत' के विषय में अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण ⇒

पाठ को विकसित करने के लिए 'व्याख्या' का प्रयोग किया जायेगा तथा पाठ की रोचकता बनाने के लिए चार्ट का प्रयोग किया जायेगा ।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया (छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण क्रिया करेगी) ।	छात्र अनुक्रिया	चार्ट
भारत का भौगोलिक विकास : ⇒	भारत एक बहुत बड़ा भौगोलिक देश है। उत्तर में हिमालय पश्चिम में अरब सागर पूर्व में बंगाल की खाड़ी दक्षिण में हिन्द महासागर भारतीय प्रायद्वीप के तटों पर लहराते हैं। भारत का क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग कि.मी. है।		

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	उत्तर में कश्मीर से कन्याकुमारी तक का विस्तार लगभग 3200 km है। अरुणाचल से कच्छ तक इसका विस्तार 2900 Km है।		
	विकासात्मक प्रश्न :–	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
	1. भारत के उत्तर में कौन सा पर्वत है?	हिमालय पर्वत	
	2. भारत के दक्षिण में कौन-सा महासागर है?	हिंद महासागर	
	3. भारत का क्षेत्रफल कितना है?	32.8 लाख वर्ग।	
भारत की अंक्षांशीय व देशांतरीय	संस्कृत में बहुत विभिन्नता है। इस विभिन्नता में भी एकता को पाते हैं। अब तक भारत की आबादी 100 करोड़ से भी अधिक है। यह चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है। कर्क रेखा देश के लगभग मध्य से गुजरती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	भारत की आबादी 100 करोड़ से भी अधिक है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	दक्षिण से उत्तर की ओर भारत की मुख्य भूमि का विस्तार 8.43 तथा 37.6 अंक्षाशों के बीच है। पश्चिम में 68.7 तथा 97.25 पूर्व देशान्तर है।		कर्क रेखा भारत के मध्य से गुजरती है।
	विकासात्मक प्रश्न :-	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
1.	भारत किस गोलार्द्ध में स्थित है ?	उत्तरी गोलार्द्ध में	
2	कर्क रेखा भारत में कहाँ से गुजरती है ?	भारत के मध्य।	
3	पश्चिम से लेकर पूर्व तक का विस्तार कितना है	68.7 पू० तथा 97.8 पू० देशांतरों के बीच है।	
	छात्राध्यापिका कथन ⇒		
भारत की पड़ोसी देश और राज्य केंद्रशासित प्रदेश।	भारत से सात देशों की स्थलीय सीमाओं लगती है। नेपाल, चीन, पाकिस्तान, रुस, श्रीलंका तथा मालद्वीव हमारे पड़ोसी द्वीप है। भारत में 28 राज्य है तथा 7 केंद्र शासित प्रदेश है। दिल्ली भारत की राजधानी है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे।	भारत के 28 राज्य व 7 केंद्रशासित प्रदेश है।

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	राज्यों का निर्माण मुख्य भाषाओं के आधार पर हुआ है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य, राजस्थान तथा सबसे छोटा गोवा है। राज्यों को जिलों में बाँटा गया है।		क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है।
भौतिक विभाजन	भारत में पाई जाने वाली भौतिक आकृतियां विभिन्न प्रकार की है। जैसे पर्वत पठार मैदान तट का द्वीप समूह उत्तर में बर्फ से ढका हिमालय संतरी का काम करता है। हिमालय का मतलब होता है। बर्फ का घिरा पर्वत को तीन मुख्य समांतर शृंखलाओं में विभाजित किया जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे। व महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट करेंगे।	भारत में हिमालय बर्फ से ढका हुआ है।

पुनरावृत्ति ⇒
छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाए गए विषय-वस्तु में से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगी। –

1. भारत के उत्तर में कौन-सा पर्वत है?
2. भारत का क्षेत्रफल कितना है?
3. भारत किस गोलार्द्ध में स्थित है?
4. अरुणाचल से लेकर कच्छ का विस्तार कितना है?

गृह कार्य ⇒
छात्राध्यापिका पाठ की समाप्ति के पश्चात छात्रों को गृहकार्य देगी।:–

1	भारत कौन से अक्षांश व देशान्तरों के मध्य स्थित है?
2	भारत का उत्तर से दक्षिण तक कितना विस्तार है?
3	कर्क रेखा भारत में कहाँ से गुजरती है?

89

Lesson No : 6

Date: 12-2-21 — Duration of the period: 20 min

Pupil Teacher's Name: Pargati — Pupil Teacher's Roll No.: 561

Class: 7th — Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन — Topic: ग्राम पंचायत

अनुदेशात्मक सामग्री :⇒ चॉक, श्यामपट्ट, संकेतक व झाड़न इत्यादि।

सहायक सामग्री :⇒ विषय – वस्तु सम्बन्धित चार्ट।

सामान्य उद्देश्य ⇒ वर्तमान समस्याओं का समाधान करना।

1) सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2) मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
3) पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
4)

व्यवहारपरक उद्देश्य ⇒ पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों की व्यवहार में निम्नलिखित अपेक्षित परिवर्तन आ जाएगें।

(I.) विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत के विषय में ज्ञान हो जाएगा।
(II.) विद्यार्थी ग्राम पंचायत को पहचान सकेंगे।
(III.) प्राप्त ज्ञान का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएगें।
(IV) विद्यार्थी मूल्यांकन करना सीख जाएगें।

अनुमानित पूर्व ज्ञान ⇒ छात्र ग्राम पंचायत के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परिक्षा ⇒

Scanned with CamScanner

छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नांकित प्रश्न पूछेगी। :-

(1.) आपका क्या नाम है ?
(2.) आप कहाँ रहते हैं ?
(3.) आपके गाँव का क्या नाम है ?
(4.) क्या आप ग्राम पंचायत के बारे में जानते हैं ?
(5.)

उद्देश्य कथन ⇒

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी कि "अच्छा बच्चो! आज हम 'ग्राम पंचायत' के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण ⇒

पाठ को विकसित करने के लिए 'व्याख्या विधि' व पाठ की रोचकता बढ़ाने के लिए चार्ट का प्रयोग किया जाएगे।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
ग्राम पंचायत	(छात्राध्यापिका विषय-वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेंगी। भारत के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि करना है, कृषि करने वाले लोग गाँव में रहते हैं, इस प्रकार भारत की अधिकतर जनता गाँव में रहती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व समझेंगे।	भारत के लोगों का मुख्य कार्य कृषि है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	गाँव के प्रबन्ध हेतु पंचायत का गठन किया जाता है। इसके लिए गाँव की जनसंख्या 500 या इससे अधिक होनी चाहिए।		
	विकासात्मक प्रश्न :⇒	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
	(1) पंचायत का गठन किस लिए किया जाता है?	गाँव के प्रबंध के लिए।	
	(2) गाँव की जनसंख्या कितनी होनी चाहिए?	या इससे 500 अधिक।	
	(3) पंचायत का चुनाव कौन करता है?	मौन। अस्पष्ट उत्तर।	
पंचायत का चुनाव ⇒	छात्राध्यापिका कथन :-		
	ग्राम पंचायत का चुनाव गाँव के लोगों द्वारा किया जाता है। इस संस्था में कम या ज्यादा होना गाँव की जनसंख्या पर निर्भर करता है। इन चुने हुए सदस्यों को पंच कहते हैं। एक ग्राम पंचायत कई वार्ड में बँटी हुई है। वार्ड मंच व सरपंच मिलकर ग्राम पंचायत का गठन करते हैं।		ग्राम पंचायत का चुनाव गाँव के लोगों द्वारा किया जाता है।

Scanned with CamScanner

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न →	(छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।)	
प्र1	ग्राम पंचायत का चुनाव किनके द्वारा किया जाता है?	गाँव के लोगों द्वारा।	
प्र2	पंच किसे कहते हैं?	चुने हुए सदस्यों को	
प्र3	पंचायत का मुखिया कौन होता है?	मौन / अस्पष्ट उत्तर	
पंचायत का मुखिया →	(छात्राध्यापिका कथन) पंचायत के सदस्यों में एक सरपंच होता है पंच व सरपंच का चुनाव 5 वर्ष के लिए होता है। पंचायत के कार्य गाँव की गलियों व सड़कों की मरम्मत करना व गाँव में रोशनी का प्रबन्ध, पीने के पानी को उपलब्ध करवाना। कुएँ बनवाना, और उनकी मरम्मत करवाना को सभी काम करता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	पंचायत का मुखिया [illegible] होता है।

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
	(1) पंच व सरपंचा का चुनाव कितने वर्ष के लिए होता है?	5 वर्ष के लिए।	
	(2) साचिव की किसके द्वारा नियुक्त किया जाता है?	मौन / अस्पष्ट उत्तर।	
साचिव:-	छात्राध्यापिका कथन:-		
	ग्राम पंचायत का एक साचिव होता है। ग्राम सभा का भी साचिव होता है। साचिव का चुनाव नहीं होता उसकी सरकार द्वारा नियुक्ति की जाती है। साचिव का काम है, ग्राम पंचायत की बैठक बुलाना जो भी चर्चा एवं निर्णय हुए हों उनका रिकार्ड रखना होता है।	सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व लिखेंगे एवं समझेंगे।	साचिव का चुनाव नहीं हो बल्कि उसे सरकार द्वारा नियुक्ति की जाती है।

पुनरावृत्ति :⇒

छात्राध्यापिका पाठ की समाप्ति के पश्चात् पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1.) भारत की अधिकांश जनसंख्या कहाँ रहती है?
2.) एक ग्राम पंचायत कितने वार्डों में बटी हुई है?
3.) पंचायत का क्या काम होता है?
4.) पंचायत का मुखिया कौन होता है?

गृह कार्य :⇒

छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई पाठ्य-वस्तु में से निम्नोक्त गृह कार्य देगी :-

1.) पंचायत का गठन किसलिए किया जाता है?
2.) ग्राम पंचायत के क्या-क्या कार्य होते हैं?
3.) पंचायत का चुनाव कौन करता है?

Scanned with CamScanner

95

Lesson No : 7

Date 13-9-21 Duration of the period

Pupil Teacher's Name Pargati Pupil Teacher's Roll No

Class 6th Average Age of the pupils

Subject सामाजिक अध्ययन Topic पर्यावरण प्रदूषण

अनुदेशात्मक सामग्री :- चाक, झाड़न संकेतक इत्यादि।

सहायक सामग्री :- चार्ट व मॉडल इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :-

1. मानसिक व बौद्धिक विकास करना।
2. छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
3. उद्देश्यों की प्राप्ति करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :- पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों में व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन आ जाएँगे।

1. विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण के बारें में ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी पर्यावरण प्रदूषण की पहचान कर पाएगें।
3. विश्लेषण करना सीख पाऐगें।

अनुमानित पूर्व ज्ञान :- छात्र पर्यावरण प्रदूषण के

Scanned with CamScanner

बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्वज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेंगी।

1. पर्यावरण प्रदूषण से आप क्या समझते हैं?
2. हमें जीवित रहने के लिए किन-2 चीजों की आवश्यकता होती है?

उद्देश्य कथन :- छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेंगी। कि "अच्छा बच्चों" हम पर्यावरण प्रदूषण के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :- पाठ को विकसित करने के लिए प्रश्नोत्तर विधि या व्याख्या विधि का प्रयोग किया जाएगा।

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट
	छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगी।	ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	
	पर्यावरण दो शब्दों से मिलकर बना है- परि + आवरण		

Scanned with CamScanner

परि का अर्थ है - इस प्रकार पर्यावरण का अर्थ है। हमें चारों व घेरा पर्यावरण कहलाता है जब पर्यावरण में हानिकारक चीजें मिल जाती है तो उसे पर्यावरण प्रदूषण कहते हैं।

प्रदूषण
1 जल
2 वायु
3 ध्वनि
4 भूमि

भूमि - प्रदूषण

विकासात्मक प्रश्न: भूमि पर ज्यादा मात्रा में अपशिष्ट डालने पर कौन-सा प्रदूषण होता है?
2 भूमि प्रदूषण किसे कहते हैं?
छात्राध्यापिका कथन: भूमि पर ज्यादा मात्रा में कुड़ा-कर्कट फैलना भूमि प्रदूषण होता है।

छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।
भूमि प्रदूषण होता है।
मौन।

जल - प्रदूषण

विकासात्मक प्रश्न:- जल हमें हानि-कारक पदार्थ के डालने से कौन-सा प्रदूषण होता है?

जल प्रदूषण।

Scanned with CamScanner

	छात्राध्यापिका कथन नदियों, झीलों में बहाए जाने वाले औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थों से जल प्रदूषण होता है।	छात्र ध्यान - पूर्वक सुनेंगे, व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।
वायु प्रदूषण :-	विकासात्मक प्रश्न 1. ऑक्सीजन हमें कहाँ से मिलता है? 2. वायु प्रदूषण क्या है?	वायु से। मौन।
ध्वनि - प्रदूषण ⟹	विकासात्मक कथन 1. ध्वनि प्रदूषण क्या होता है - छात्राध्यापिका कथन 2. तेज गति से चलने वाले वाहनों से ध्वनि प्रदूषण होता है। हानिकारक होता है।	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे। (मौन)

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :-
छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय-वस्तु में निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगी।

1. परि + आवरण का क्या अर्थ है?
2. जल प्रदूषण किसे कहते हैं?
3. ध्वनि प्रदूषण किसे कहते हैं?

गृहकार्य :
छात्राध्यापिका छात्रों को निम्नलिखित गृह कार्य देगी :।

"सभी छात्र घर से प्रदूषण व पर्यावरण के चारों प्रकार लिखकर व याद करके आएंगे।

101

Lesson No : 8

Date 15-2-21 Duration of the period 20 min

Pupil Teacher's Name Pargati Pupil Teacher's Roll No 861

Class 7th Average Age of the pupils

Subject सामाजिक अध्ययन Topic 1857 का विद्रोह

अनुदेशात्मक सामग्री :- चॉक, संकेतक डाडन इत्यादि ।

सहायक सामग्री :- चार्ट व मॉडल इत्यादि ।

सामान्य उद्देश्य :-

1. मानसिक व बौद्धिक विकास करना ।
2. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
3. छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना ।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :- पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन आ जायेंगे ।

1. विद्यार्थियों को 1857 के विद्रोह के विषय में ज्ञान हो जायेगा ।
2. विद्यार्थी विश्लेषण करना भी सीख जाएंगे ।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी 1857 के विद्रोह के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षा :

1857 के विद्रोह के विषय में आप क्या समझते हैं।

हमारे देश में कौन-कौन से स्वतंत्रता संग्राम हुए थे।

उद्देश्य कथन :-

छात्रों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी।

कि "अच्छा बच्चों आज हम 1857 के विद्रोह के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

पाठ को विकसित करने के लिए छात्राध्यापिका व्याख्या विधि व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करेगी।

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	(छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्णरूपेण व्याख्या करेगी।	छात्र ध्यानपूर्वक	1857 का विद्रोह एक सुनीयोजित कार्य था।
1857 का विद्रोह	छात्राध्यापिका कथन 1857 का विद्रोह एक सु-नियोजित कार्य था जैसे-2 समय बितता गया ब्रिटिश सरकार के खिलाफ असंतोष बैठता गया।	सुनेंगे।	
	1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध कहाँ जाता है। सेना के सिपाहियों को और सामान्य नागरिकों को सवैंधानिकता किया गया।		

पाठ्य वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	विकासात्मक प्रश्न	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
1.	गाय व सुअर की चर्बी का प्रयोग किनके द्वारा किया जाता था।	(1) कारतूसों के लिए।	
2.	1857 के विद्रोह का कारण क्या था	मौन।	चर्बीयुक्त आव[illegible] का दिया जा[illegible]
	छात्राध्यापिका कथन हिंदु तथा मुस्लमान सैनिकों - चर्बी युक्त आवरण वाले कारतूसों का दिया जाना विद्रोह का कारण था। भारतवासियों द्वारा इसे प्रयोग करना वह अपने धर्म के खिलाफ मानते थे। ये गाय व सुअर के मांस के बने हुए थे - कारतूस		

105

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
1857 के विद्रोह की असफलता।	विकासात्मक प्रश्न	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे।	
	1. असफलता क्या होती है?	किसी कार्य का सफल न होना।	
	2. विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण क्या है।	मौन।	विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण समय से पहले शुरू होना था।
	छात्राध्यापिका क्रिया विद्रोह की असफलता का मुख्य कारण यह था कि यह अपनी निश्चित तिथि से पहले प्रारंभ हो गया था। यह 10 मई, 1857 को शुरू होना था लेकिन यह पहले विस्फोट हो जाने से भारतीयों में बहुत ज्यादा पर कर लगाती थी।		

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :- छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी।

1 1857 के विद्रोह का समय क्या था।
2 1857 के विद्रोह में किन-२ नेताओं ने भाग लिया था।
3 1857 का विद्रोह असफल क्यों हुआ?

गृहकार्य :- छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से छात्रों से निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी।-

"सभी छात्र घर से 1857 के विद्रोह के बारे में कॉपी में लिखकर लाये व याद करके आए।

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Lesson No :.....9.....

107

Date.....16-2-21..... Duration of the period.....40 min.....

Pupil Teacher's Name.....Pargati..... Pupil Teacher's Roll No.....361.....

Class.....7th..... Average Age of the pupils.....

Subject.....सामाजिक अध्ययन..... Topic.....प्राकृतिक वनस्पति.....

अनुदेशात्मक सामग्री :-

चॉक, संकेतन व झाड़न

सहायक सामग्री :-

चार्ट व मॉडल इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्रों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना।
2. पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3. मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।

अनुदेशात्मक सामग्री ⇒

पाठ की समाप्ति के पश्चात् विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहार में परिवर्तन आ जाएगा।

1. विद्यार्थियों को प्राकृतिक वनस्पति के बारे में ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी प्राकृतिक वनस्पति की पहचान कर पाएंगे।
3. विश्लेषण करना सीख जाएंगे।

Scanned with CamScanner

अनुमानित पूर्वज्ञान :- विद्यार्थी प्राकृतिक वनस्पति के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परिक्षा :- छात्राध्यापिका छात्रों से पुर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पुछेगी।

1. घने वृक्षों के समूह को क्या कहते हैं?
2. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं?
3. वनस्पति क्या कहलाती है?

उद्देश्य कथन :- संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेंगी।
"अच्छा बच्चों। आज हम प्राकृतिक वनस्पति के विषय में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :- पाठ को विकासित करने के लिए छात्राध्यापिका व्याख्या व प्रश्नोत्तर विधि का प्रयोग करेंगी।

विषय वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया (छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्ण रूपेण व्याख्या करेंगी।	छात्र अनुक्रिया

109

प्राकृतिक वनस्पति	भारत में लगभग 47,000 विभिन्न जातियों के पौधे पाए जाते हैं। जो विविधता की दृष्टि से संसार में स्थान तथा एशिया में चौथे स्थान पर हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	वनस्पति के चार प्रकार हैं।
वनस्पति के प्रकार	1 उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन।		
	2 उष्ण कटिबंधीय पर्वतीय वन।		
	3 शीतोष्ण वन।		
	4 वनस्पति वन।		
	5 कटीले वन।		
उष्ण कटिबंध वर्षा वन	विकासात्मक प्रश्न :-		
	1 वनों की अधिक संख्या किन क्षेत्रों में होती हैं।		
	2 उष्ण कटिबंधीय वन कहाँ तक सीमित हैं।		

विषय-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र अनुक्रिया	श्यामपट्ट कार्य
	छात्राध्यापिका कथन ये वन जो पश्चिमी क्षेत्रों के अधिक वर्षा वाले तक सीमित हैं। ये वन अंडमान तथा निकोबार द्वीप-समूहों में भी पाए जाते हैं। ये वन क्षेत्रों में विकसित होते हैं। जहाँ 200 cm से अधिक वर्षा होती है। इन क्षेत्रों में वृक्ष 60 cm में। तथा इससे अधिक ऊँचाई तक पहुँचते हैं। यहाँ हर प्रकार की वनस्पति विकसित होती हैं।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे।	ये वन अंडमान निकोबार में पाए जाते हैं। वृक्षों में पतझड़ होने का कोई समय नहीं।

पुनरावृत्ति :-

छात्राध्यापिका छात्रों से पढ़ाई गई विषय-वस्तु में से निम्नांकित प्रश्न पूछेगी।

1. भारत में कितनी प्रजातियों की वनस्पति पाई जाती हैं।

2. प्राकृतिक वनस्पति कितने प्रकार की होती हैं।

गृहकार्य ⇒

छात्राध्यापिका छात्रों को पढ़ाई गई विषय वस्तु में से कार्य देगी।

"सभी छात्र इस प्राकृतिक वनस्पति पाठ को कॉपी में लिखकर व याद करके आएंगे।

Scanned with CamScanner

113

Lesson No : 10

Date: 17-2-21 Duration of the period: 20 min.

Pupil Teacher's Name: Pargati Pupil Teacher's Roll No.: 061

Class: 7th Average Age of the pupils:

Subject: सामाजिक अध्ययन Topic: आदिमानव

अनुदेशनात्मक सामग्री :- चाक, संकेतक, झाड़न आदि।

सहायक सामग्री :- चार्ट व मॉडल इत्यादि।

सामान्य उद्देश्य :-

1. मानसिक व बौद्धिक विकास करना
2. सामाजिक विरासत का ज्ञान कराना
3. सामान्य बुद्धि ज्ञान में वृद्धि करना।

अनुदेशात्मक :-

पाठ की समाप्ति के पश्चात विद्यार्थियों के व्यवहार में निम्नोक्त अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन आ जाएगा।

1. विद्यार्थियों को आदिमानव के बारे में ज्ञान हो जाएगा।
2. विद्यार्थी आदिमानव की पहचान कर पायेंगे।
3. विश्लेषण करना सीख जाएंगे।

Scanned with CamScanner

114

अनुमानित पूर्व ज्ञान :- छात्र आदिमानव के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- छात्राध्यापिका छात्रों से पूर्व ज्ञान पर आधारित निम्नोक्त प्रश्न पूछेगी :-

1. समाज में आने से पहले मानव कहां रहता था।
2. आरंभ में मनुष्य क्या खाकर पेट भरता था।
3. हमारे पूर्वज कौन माने जाते हैं।

उद्देश्य कथन :- संतोषजनक उत्तर न मिलने पर छात्राध्यापिका उपविषय की घोषणा करेगी की

" अच्छा बच्चों " आज हम आदिमानव के विषय में विस्तार से अध्ययन करेंगे "

प्रस्तुतीकरण :-

पाठ्य-वस्तु	छात्राध्यापिका क्रिया छात्राध्यापिका विषय वस्तु की पूर्व-रूपेण व्याख्या करेंगी।	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
	आरंभ में मनुष्य एक असभ्य मानव को रूप में रहता था। उसे जीवन जीने के तरीके व अन्य और चीजों के वैज्ञानिक अंग का पता नहीं था। वे लोग शिकार करते थे। तथा जंगलो में रहते थे।		आदिमानव जंगलो में रहते थे। शिकार करते थे।
	आज स्थाई जीवन में परिवर्तन होने से लंबे वर्ष लग गए खाद्य संग्रहक से खाद्य उत्पादक तक की अवस्था में आदमी को करीब 30,000		

Scanned with CamScanner

आग की खोज		साल लगे विकासात्मक प्रश्न	छात्र पूछे गए प्रश्नो का उत्तर देंगे।	
	1.	जो पत्थर के टुकड़ो को आपस मे रगड़ने से जो चिंगारी उठती है। उसे क्या कहते है।	उसे आग कहते है।	आग
	2.	आग की खोज किसने की।	मौन	
		छात्राध्यापिका कथन — ~~आग की खोज आदि मानव ने की थी।~~ चमकीले पत्थर के दो टुकड़े को आपस मे रगड़ने से चिंगारी उठती है उसे आग कहते है वह सूखी पत्तियो से जल जाती है।		

पाठ्यवस्तु	छात्राध्यापिका का कथन	छात्र अनुक्रिया	चाकपट्ट कार्य
पहिये की खोज	विकासात्मक प्रश्न 1. पहिए की खोज किसने की । 2. पहिए की खोज कैसे हुई थी । छात्राध्यापिका क्रिया पहिए की खोज एक महत्वपूर्ण खोज थी । जो आदिमानव ने की । पहिये से बैलगाड़ी, रेलगाड़ी तक बनाई गई चक्र की खोज करके अनेक बर्तन भी बनाए	छात्र पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देंगे । आदिमानव ने मौन । छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व मुख्य बिंदुओं को लिखेंगे	आदिमानव ने खोज की ।

Scanned with CamScanner

पुनरावृत्ति :— छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय वस्तु में से निम्नांकित प्रश्न पूछेगी :—

1. आग की खोज किसने की।
2. पहिये की खोज किसने की।

गृहकार्य :— छात्राध्यापिका पढ़ाई गई विषय वस्तु में छात्रों के निम्नोक्त गृहकार्य देगी।

1. सभी छात्र कॉपी में घर से लिखकर और याद करके आएंगे।

पर्यवेक्षक
हस्ताक्षर

OBSERVATION LESSONS

Scanned with CamScanner

Observation Lesson No. ...1....

Date..... Duration of the period.....20 min.....

Pupil Teacher's Name ...Antima... Pupil Teacher's Roll No. ....865.....

Class.....VIII th..... Average Age of the pupils.....

Subject.....S.S..... Topic.....मौलिक अधिकार

1. चाकपट्ट प्रविष्टियाँ भरी गई।
2. उपविषय की घोषणा सही समय पर गई।
3. कक्षा में अनुशासन की स्थिति थी।
4. चार्ट को सही समय पर संकेतक की सहायता से दर्शाया गया।
5. अंत में पुनरावृति की गयी।
6. सभी छात्रों को गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. ...2....

Date..... Duration of the period.....20 minutes.....

Pupil Teacher's Name ...Jyoti..... Pupil Teacher's Roll No. .....862.....

Class.....VIII th..... Average Age of the pupils.....

Subject.....Hindi..... Topic.....

1. चाकपट्ट प्रविष्टियाँ भरी गई।
2. उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के उपरांत की गई।
3. अंत में पुनरावृति की गई।
4. चार्ट को सही समय पर संकेतक की सहायता से दर्शाया गया।
5. अंत में पुनरावृति की गई।
6. सभी को गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher Sign. of Supervisor

Scanned with CamScanner

Page No.
Date : / /

observation Lesson-3

date:- 13/3/23
P.T. Name:- Jyoti
Class :- 8th
Subject:- SOS

Duration of period:- 20min
P.T. Roll No. :- 2111220210 96
Average age of pupils- 13 yea
Topic:- 1857 की क्रांति

(1) पाठ का शिक्षण सही समय पर आरंभ किया गया।
(2) चाकपट्ट प्रवृत्तियां भरी गई।
(3) पूर्वज्ञान परीक्षा सही समय पर की गई।
(4) पूर्वज्ञान परीक्षा में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।
(5) पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य सामग्री का प्रयोग हुआ
(6) चार्ट को सही स्थान पर लगाया गया।
(7) पाठ का शिक्षण हाव-भाव से परिपूर्ण था।
(8) शिक्षिका के माध्यम से सभी को गृहकार्य दिया गया।

Observation Lesson-4

date:- 13/3/23
P.T. Name:- Jyoti
Class:- 8th
Subject:- English

Duration of period:- 20min
P.T. Roll No.:- 2111220210 96
Average age of pupils- 13 yea
Topic:- Tense

(1) पाठ का शिक्षण सही समय पर आरंभ किया गया।
(2) पूर्वज्ञान परीक्षा सही समय पर की गई।
(3) पूर्वज्ञान परीक्षा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।
(4) उपविषय की घोषणा पूर्वज्ञान परीक्षा के बाद की गई।
(5) पाठ को प्रभावी बनाने के लिए दृश्य सामग्री का प्रयोग हुआ।
(6) चार्ट को सही स्थान पर लगाया गया।
(7) पाठ का शिक्षण हाव-भाव से परिपूर्ण था।
(8) शिक्षिका के माध्यम से छात्रों को गृहकार्य दिया गया।

Scanned with CamScanner